प्रसिद्ध उद्योगपति और परोपकारी रतन टाटा का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ गुरुवार (10 अक्टूबर, 2024) शाम को मध्य मुंबई के एक श्मशान में किया गया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:158 दिनांक:11-10-2024 शुक्रवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

दिल्ली के रमेश नगर में गुरुवार को पुलिस को भारी मात्रा में कोकीन बरामद हुई है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक करीब 200 किलो कोकीन हाथ लगी है जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 2000 करोड़ आंकी गई है।

अमेरिका में फ्लोरिडा तट से टकराया मिल्टन तूफान, 32 लाख से अधिक लोग अंधेरे में रहने को मजबूर

टैंपा। फ्लोरिडा में मिल्टन तूफान के कारण तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। कुछ हिस्सों में 18 इंच तक बारिश हुई। चार लोगों की मौत हो गई है। तूफान के कारण फ्लोरिडा के एक बड़े हिस्से में बिजली गुल हो गई है। 32 लाख से अधिक लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। 10 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कहा गया है।

तूफान मिल्टन ने गुरुवार को फ्लोरिडा में विनाशकारी रास्ता बनाते हुए अटलांटिक महासागर में प्रवेश किया। जब यह फ्लोरिडा तट से टकराया तो एक दर्जन से अधिक बवंडर आए। तूफान मिल्टन के कारण चार लोगों की मौत हो गई। गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने कहा कि राज्य की सबसे खराब स्थिति टल गई है। हालांकि उन्होंने लोगों को सावधान रहने की चेतावनी दी है।

टैंपा और सेंट पीटर्सबर्ग में 60 प्रतिशत से अधिक गैस स्टेशनों में बुधवार रात गैस खत्म हो गई। तूफान के कारण 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाएं चलीं। हेलेन तूफान के तबाही मचाने के दो सप्ताह से भी कम समय बाद आए इस तूफान से लोगों की मुसीबतें और बढ़ गईं।

अमेरिका के मौसम विभाग ने टेंपा और सेंट पीट्सबर्ग इलाकों में रहने वाले लोगों को चेतावनी जारी की है और उन्हें सुरक्षित ठिकानों पर रहने की सलाह दी है। फ्लोरिडा के तट से टकराने के बाद से चक्रवाती तूफान कमजोर पड़ा है, लेकिन उसका चक्रवाती तूफान का दर्जा अभी भी बरकरार है। तूफान अटलांटिक महासागर में दाखिल होगा और गुरुवार तक इसके उष्णकटिबंधीय तूफान में बदलने का अनुमान है। तूफान के चलते बुधवार सुबह को फ्लोरिडा के 23 फीसदी और टेंपा बे और सेंट पीट्सबर्ग इलाकों के 59 फीसदी गैस स्टेशन बिना ईंधन के थे।

बीते महीने भी अमेरिका में चक्रवाती तूफान हेलेन ने मचाई थी तबाही

तूफान के चलते अमेरिका के कई शहरों में बवंडर की चेतावनी जारी की गई है। इससे पहले चक्रवाती तूफान के खतरनाक स्तर को देखते हुए कई जगह बाढ़ और भारी बारिश की आशंका जताई गई थी, लेकिन फिलहाल तूफान के कमजोर पड़ने से लोगों ने राहत ली है। बीते महीने ही अमेरिका में चक्रवाती तूफान हेलेन ने तबाही मचाई थी। तूफान के चलते अमेरिका में 52 लोगों की मौत हुई थी। तूफान केअसर से दक्षिण पूर्व के इलाकों में भारी बाढ़ और तबाही देखने को मिली थी।

चक्रवाती तूफान हेलेन के चलते फ्लोरिडा, जॉर्जिया, नॉर्थ कैरोलिना, साउथ कैरोलिना और वर्जीनिया में लोगों की जान गई । कैटगरी-4 के उस चक्रवाती तूफान के चलते 225 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चलीं। विशेषज्ञों का कहना है कि तूफान के चलते 15-26 अरब डॉलर के आर्थिक नुकसान का अनुमान है।

दिल्ली में मिली 2000 करोड़ की कोकीन, कोकीन लाने वाला तस्कर लंदन भागा

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के रमेश नगर से पुलिस ने करीब 200 किलो कोकीन जब्त की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 2000 करोड़ रूपये के करीब है।

ड्रग्स लाने वाला शख्स लंदन भाग गया है। जिस कार से कोकीन लाई गई थी, उसमें जीपीएस लगा हुआ था।

पुलिस 2000 करोड़ की लोकेशन को ट्रैस करती पहुंची थी। ये कोकीन भी उसी सिंडिकेट की है, जिसे 5600 करोड़ की कोकीन के साथ पकड़ा गया था। अब तक कुल 762 किलो कोकीन बरामद किया गया है। कोकीन की देश में ये सबसे बड़ी बरामदगी माना जा रहा है।

इससे पहले पंजाब में एक बड़े ड्रग्स सिंडिकेट का खुलासा हुआ था। 5600 करोड़ की ड्रग्स सिंडिकेट मामले में करीब 10 करोड़ की कोकीन पंजाब से बरामद की गई थी। दुबई और ब्रिटैन से बड़ी खेप सप्लाई करने का टारगेट सिंडिकेट को मिलता था। दिल्ली में 2 अक्टूबर को भी करीब 500 किलो से ज्यादा कोकीन बरामद की गयी थी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कार्रवाई करते हुए इसे अंजाम दिया था।

हरियाणा की समीक्षा बैठक में राहुल गांधी की दो टूक

पार्टी हित से ऊपर नेताओं के निजी हित रहे हावी

नई दिल्ली(ईएमएस)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली शिकस्त के बाद कांग्रेस में समीक्षा का दौर चल रहा है। हरियाणा की हार के बाद आज कांग्रेस नेतृत्व ने राज्य के नेताओं के संग पहली अहम बैठक की। यह बैठक पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई जिसमें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी शामिल हुए। बैठक में संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष उदय भान, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रभारी दीपक बाबरिया, हरियाणा पर्यवेक्षक अशोक गहलोत, अजय माकन, प्रताप सिंह बाजवा को भी बुलाया गया था। सूत्रों के मुताबिक, बैठक के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव में नेताओं ने निजी हित को ऊपर रखा।

राहुल गांधी ने कहा कि पूरे चुनाव में पार्टी का हित दूसरे नंबर पर रहा और नेताओं का हित हावी रहा। सूत्रों ने बताया कि चुनाव परिणामों की जांच के लिए एक फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई जाएगी, जिसकी घोषणा जल्द ही की जाएगी। बैठक खत्म होने के बाद अजय माकन ने कहा कि नतीजे चौंकाने वाले और अप्रत्याशित हैं। उन्होंने कहा कि आज हमने बैठक की और हरियाणा में हार के कारणों पर विचार किया। हम अपना विश्लेषण जारी रखेंगे... आगे क्या कार्रवाई होगी इसके बारे में केसी वेणुगोपाल आपको बाद में बताएंगे।

फैक्ट फाइंडिंग कमेटी हार की वजह पता करेगी

बैठक में तय किया गया कि हार के कारणों को जानने के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई जा रही है, जो हरियाणा में जाकर नेताओं से चर्चा करके रिपोर्ट हाईकमान को सौंपेगी। कमेटी में कौन-कौन चेहरे शामिल किए जाएंगे, अभी उनके नामों पर चर्चा नहीं हो पाई है। करीब आधे घंटे चली मीटिंग के बाद कांग्रेस नेता अजय माकन ने हुड्डा-सैलजा के मतभेदों पर कहा कि हार के बहुत सारे कारण हैं, जो चुनाव आयोग से लेकर नेताओं के मतभेद तक हैं। इन्हीं सब कारणों पर चर्चा हुई और आगे भी चर्चा करेंगे। इतना बड़ा उलटफेर, एग्जिट पोल जो कह रहे थे, बड़े से बड़ा सर्वे जो कह रहे थे, सभी के सभी एक साथ गलत साबित कैसे हो सकते हैं। आधे घंटे की मीटिंग में इस मामले में किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंचा जा सकता है। आज की मीटिंग में हमने आगे की रणनीति पर चर्चा की है। आगे जो भी होगा, उसकी जानकारी केसी वेणुगोपाल देंगे।

राहुल ने भी ईवीएम का उठाया सवाल

इससे पहले राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में ईवीएम में कथित खराबी के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के प्रयास में चुनाव आयोग के साथ एक संभावित बैठक का संकेत दिया था। उन्होंने एक्स पर लिखा, हम हरियाणा के अप्रत्याशित नतीजे का विश्लेषण कर रहे हैं। अनेक विधानसभा क्षेत्रों से आ रही शिकायतों से चुनाव आयोग को सूचित कराएंगे। सभी हरियाणा वासियों को उनके समर्थन और हमारे बब्बर शेर कार्यकर्ताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए दिल से धन्यवाद। हक का,सामाजिक और आर्थिक न्याय का, सच्चाई का यह संघर्ष जारी रखेंगे, आपकी आवाज बुलंद करते रहेंगे।

मणिपुर में 3 दिन में बड़ी तादाद में हथियार बरामद

सेना और पुलिस ने मिलकर चलाया ऑपरेशन

इंफाल(ईएमएस)। मणिपुर में इंफाल पूर्वी जिले के चम्फाई पहाड़ी में बुधवार को सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किए। पुलिस ने बताया कि मणिपुर के विभिन्न हिस्सों में एक ऑपरेशन चलाया गया जिसमें पिछले तीन दिनों में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया है। पुलिस ने बताया कि उन्होंने चम्फाई से एम-16 राइफल, 22 राइफल, 2 एसएलआर, देशी स्टेन गन, 2 कार्बाइन, 8 पिस्तौल, 12 मोर्टार और 30 मैगजीन जब्त कीं।

वहीं लुवांगशांगबाम इलाके में एक अन्य ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने 32 बोर की 2 पिस्तौल, 9 एमएम की 1 पिस्तौल समेत अन्य चीजें बरामद की। इसी तरह का एक ऑपरेशन खेलाखोंग और बिष्णुपुर जिले के गेलबुंग गांव में भी चलाया गया। जहां उन्हें एके-47 राइफल, 12 बोर की एक सिंगल बैरल राइफल, 5 डेटोनेटर और ढाई किलोग्राम आईईडी जब्त की।

मुंबई में फिर मौसम ने ली खतरनाक करवट, आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश; पानी में डूबी सड़कें

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मौसम ने अचानक करवट ली और गुरुवार देर शाम मूसलाधार बारिश हुई। मुंबई के कई इलाकों में भारी बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरी। हालात यह हुए कि कई जगहों पर सड़कें पानी से डूब गईं।

मुंबई में गुरुवार शाम को अचानक मूसलाधार बारिश हुई जिससे आम लोग भी हैरान हो गए और इसने जनजीवन को भी प्रभावित किया। कई इलाकों से पानी भरने की खबरें आ रही हैं। कुछ मार्ग भी पानी में डूब गए। देर शाम से शहर में आंधी-तूफान और तेज बिजली देखी गई। इससे पहले मौसम विभाग ने वर्षा के लिए येलो अलर्ट जारी किया था। वहीं, बारिश के कारण महानगर के कुछ निचले इलाकों में जलभराव की खबर है। अचानक हुई बारिश ने कई लोगों को हैरान कर दिया, क्योंकि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने वित्तीय राजधानी में हल्की से मध्यम बारिश के लिए केवल 'येलो' अलर्ट जारी किया था।

भारत में बनने जा रहीं दो न्यूक्लियर सबमरीन, केंद्र सरकार ने दी 40 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट को मंजूरी

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत सरकार की ष्टष्टस् यानी प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने दो स्वदेशी परमाणु पनडुब्बियों को बनाने की अनुमति दे दी है। इससे भारतीय नौसेना की सामरिक और आक्रामक क्षमता में बढ़ोतरी होगी। इन पनडुब्बियों के बनने से नौसेना की ताकत हिंद महासागर क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में अधिक हो जाएगी। इन पनडुब्बियों को विशाखापट्टनम के शिप बिल्डिंग सेंटर में बनाया जाएगा। इस बनाने में लार्सेन एंड टुब्रो जैसी निजी कंपनियों की मदद भी ली जा सकती है। पनडुब्बियां 95 फीसदी तक स्वदेशी होंगी। ये पनडुब्बियां अरिहंत क्लास से अलग होंगी। इन्हें प्रोजेक्ट एडवांस्ड टेक्नोलॉजी वेसल के तहत बनाया जाएगा। अभी दो पनडुब्बियां बनेंगी, इसके बाद चार और बनाई जा सकती है। जबकि भारत ने हाल ही में अपनी दूसरी परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिघात कमीशन की है। अगले साल भर के अंदर भारतीय नौसेना में अलग-अलग तरह के कई युद्धपोत और सबमरीन मिलने वाले हैं। इन 12जंगी जहाजों में फ्रिगेट्स, कॉर्वेट्स, डेस्ट्रॉयर्स, सबमरीन और सर्वे वेसल भी हैं। नौसेना में इनके शामिल होने से इंडियन ओशन रीजन में सुरक्षा का स्तर बढ़ जाएगा।

भारत सरकार ने हिज्ब-उत-तहरीर को प्रतिबंधित संगठन घोषित

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार ने 1953 में यरूशलेम में स्थापित एक वैश्विक पैन-इस्लामिक समूह हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) को प्रतिबंधित संगठन घोषित कर दिया। आरोप है कि इसका उद्देश्य जिहाद के माध्यम से विश्व स्तर पर इस्लामी राज्य और खिलाफत स्थापित करना है और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होना।एक अधिसूचना में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि एचयूटी युवाओं को आईएसआईएस जैसे आतंकवादी संगठनों में शामिल होने के लिए कट्टरपंथी बनाता है। आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन भी जुटाता है।

गृह मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि एचयूटी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों, सुरक्षित ऐप्स का उपयोग करके और आतंकवादी कृत्यों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए दावा बैठकें आयोजित करके आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। इसका उद्देश्य आतंकवादी गतिविधियों के माध्यम से लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकारों को उखाड़ फेंककर भारत सहित विश्व स्तर पर इस्लामिक राज्य और खिलाफत स्थापित करना है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक गंभीर खतरा है। समूह को गैरकानूनी गतिविधियां अधिनियम के तहत प्रतिबंधित संगठन घोषित करते हुए कहा गया, केंद्र सरकार का मानना है कि हिज्ब-उत-तहरीर आतंकवाद में शामिल है और उसने भारत में आतंकवाद के विभिन्न कृत्यों में भाग लिया है।

ईडी ने धोखाधड़ी से जुड़े मामले में जेकेजीबी के पूर्व शाखा प्रबंधक की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली (ईएमएस)। ईडी ने ऋणदाता के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े एक मामले में जम्मू और कश्मीर ग्रामीण बैंक (जेकेजीबी) के पूर्व शाखा प्रबंधक, उनके परिवार के सदस्यों और कुछ अन्य लोगों की 3.40 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है।

ईडी ने एक बयान में कहा कि पूर्व बैंक अधिकारी इश्तियाक अहमद पार्रे, (खय्याम, श्रीनगर के तंगबाग निवासी), तारिक अली पार्रे, हसीना बानो और मकसूद अली पार्रे के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया गया था, जिसमें श्रीनगर में उनकी संपत्तियों और दिल्ली के जाकिर नगर इलाके में एक फ्लैट को जब्त करने का आदेश दिया गया था।

मनी लॉन्ड्रिंग का मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा इश्तियाक और 10 अन्य के खिलाफ गैर-मौजूद उधारकर्ताओं को विभिन्न प्रकार के ऋण धोखाधड़ी से मंजूर करके 6.30 करोड़ रुपये के धन के गबन के आरोप में दायर आरोप पत्र से उपजा है। ईडी के अनुसार, जब इश्तियाक 2014 से 2019 के बीच जेकेजीबी मीरगुंड, पट्टन और खानपेट में शाखा प्रबंधक के रूप में तैनात था, तब उसने धोखाधड़ी से 107 किसान क्रेडिट कार्ड ऋण, 50 संयुक्त देयता समूह ऋण, 17 वाहन ऋण, चार नकद ऋण ऋण और दो आसान वित्त ऋण मंजूर किए। उसने 180 खच्चर खातों के लिए 6.30 करोड़ रुपये के ये ऋण मंजूर किए, जो बाद में गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) में बदल गए।

इस तरह स्वीकृत किए गए ऋणों को बाद में कई खच्चर खाताधारकों के बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया गया, जो उसके परिचित व्यक्ति थे जैसे ड्राइवर, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी, आदि। ईडी ने दावा किया, इसके बाद, इन राशियों को इश्तियाक अहमद पार्रे और उनके परिवार के सदस्यों केबैंक खातों में स्थानांतरितकर दिया गया।(और) अंततः उनके नाम पर अचल संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए इस्तेमाल किया गया।

ओबीसी गैर-क्रीमी लेयर प्रमाणपत्र की आय सीमा बढ़ाएगी महाराष्ट्र सरकार, केंद्र से करेगी अनुरोध

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र कैबिनेट ने केंद्र सरकार से नॉन-क्रीमी लेयर के लिए आय सीमा मौजूदा 8 लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख रुपये प्रति वर्ष करने का अनुरोध करेगी। यह फैसला अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले आया है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में आरक्षण लाभ प्राप्त करने के लिए एक गैर-क्रीमी लेयर प्रमाणपत्र की आवश्यकता होती है। इस प्रमाण पत्र में यह दावा किया जाता है आवेदन करने वाले व्यक्ति की पारिवारिक आय निर्धारित सीमा से कम है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यालय के एक बयान में कहा गया कि कैबिनेट बैठक में महाराष्ट्र राज्य अनुसूचित जाति आयोग को संवैधानिक दर्जा देने के लिए एक मसौदा अध्यादेश को भी मंजूरी दी गई। अध्यादेश को विधानमंडल के अगले सत्र में पेश किया जाएगा, इसमें कहा गया है कि आयोग के लिए 27 पदों को मंजूरी दी गई है। अन्य फैसलों में, कैबिनेट ने पत्रकारों और समाचार पत्र विक्रेताओं के लिए कल्याण निगम स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। हिंगोली जिले में बालासाहेब ठाकरे अनुसंधान केंद्र के लिए 709।27 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि मंजूर की गई।

सरकार ने बताया है कि बैठक में एक प्रस्ताव को मंजूरी दी गई, जिसके तहत गैर-लाभकारी संगठन सुलभ इंटरनेशनल राज्य के सभी 57 सरकारी अस्पतालों में शौचालय और विश्राम कक्ष उपलब्ध कराएगा। मुंबई के बोरीवली उपनगर में अक्से और मालवानी में सरकारी जमीन धारावी पुनर्विकास परियोजना के लिए दी जाएगी और 140 एकड़ में फैले इन क्षेत्रों में अयोग्य झुग्गीवासियों को आवास प्रदान किया जाएगा।

कैबिनेट ने मुंबई के बांद्रा सरकारी कॉलोनी में रहने वाले सरकारी कर्मचारियों को घर मुहैया कराने का भी फैसला किया है। राज्य में पुस्तकालय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक पुस्तकालय अधिनियम में संशोधन किया जाएगा। कैबिनेट ने जालना-नांदेड़ एक्सप्रेसवे के निर्माण को भी मंजूरी दे दी, जो मुंबई-नागपुर समृद्धि कॉरिडोर से जुड़ा होगा।

पंचतत्व में विलीन हुए भारत के रतन, राजकीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

मुंबई, (ईएमएस)। भारतीय उद्योग जगत को नए स्वर्ण युग में ले जाने वाले दिग्गज उद्योगपति और उद्यमी रतन टाटा ने 86 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में इलाज के दौरान बुधवार रात उनका निधन हो गया। जैसे ही रतन टाटा की मौत की खबर सामने आई, पूरे देश और दुनिया में शोक की लहर दौड़ गई। भारतीय उद्योग जगत समेत विभिन्न क्षेत्रों में अमूल्य योगदान देने वाले रतन टाटा को पूरा देश सलाम कर रहा है और उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त कर रहा है। गुरुवार शाम करीब साढ़े पांच बजे माता रमाबाई अंबेडकर श्मशान घाट वर्ली में पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान उनके करीबी रिश्तेदार, दोस्त और हर क्षेत्र के दिग्गज मौजूद थे। रतन टाटा को श्रद्धांजलि देने आए वीआईपी लोगों के जाने के बाद भारी भीड़ अंदर दाखिल हुई तो श्मशान घाट में भीड़ लग गई।

- एनसीपीए में हजारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

इससे पहले मुंबई के कोलाबा स्थित उनके आवास पर मुंबई पुलिस की सलामी के बाद रतन टाटा की अंतिम यात्रा शुरू हुई। यहां से उनके पार्थिव शरीर को दक्षिण मुंबई स्थित राष्ट्रीय कला प्रदर्शन केंद्र (एनसीपीए) में लाया गया ताकि आम से ख़ास तक सभी लोग पार्थिव शरीर के दर्शन कर सकें। मुंबई की सड़कों पर भी रतन टाटा को श्रद्धांजलि देने के लिए नागरिकों की भारी भीड़ रही। एनसीपीए में जनता के अंतिम दर्शन के लिए सुबह 10।30 बजे से अपराह्न 3।55 बजे तक उनके पार्थिव शरीर को रखा गया जहां विभिन्न समाज के हजारों लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे। इस दरम्यान एनसीपीए में भारी भीड़ जमा हो गई। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास, आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला, उद्धव ठाकरे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, वरिष्ठ नेता शरद पवार, सुप्रिया सुले, रश्मि ठाकरे, आदित्य ठाकरे, अनिल देसाई, अरविंद सावंत ने भी उनके पार्थिव शरीर के दर्शन किए। वहीं गृहमंत्री अमित शाह के साथ मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने रतन टाटा के पार्थिव शरीर के दर्शन किये। रतन टाटा की अंतिम यात्रा शाम करीब 4 बजे एनसीपीए से शुरू हुई और वरली के पारसी शमशान भूमि ले जाया गया। उद्योगपति रतन टाटा के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए वर्ली स्थित शवदाह गृह लाया गया और मुंबई पुलिस ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल इस दौरान मध्य मुंबई स्थित शवदाह गृह में उपस्थित थे।

आपको बता दें, उनका जन्म 28 दिसंबर 1937 को हुआ था। वह मार्च 1991 से 28 दिसंबर 2012 तक टाटा समूह के अध्यक्ष रहे। उसके बाद 2016-2017 तक एक बार फिर उन्होंने समूह की कमान संभाली। उसके बाद से वह समूह के मानद चेयरमैन की भूमिका में आ गये थे।

- रतन टाटा के अंतिम संस्कार की व्यवस्था हेतु मनपा, टाटा ट्रस्ट की ओर से इंतजाम

रतन टाटा के अंतिम संस्कार की व्यवस्था हेतु योजना मुंबई महानगरपालिका और टाटा ट्रस्ट द्वारा बनाई गई। रतन टाटा का अंतिम संस्कार शाम साढ़े 5 बजे माता रमाबाई अंबेडकर श्मशान घाट वर्ली में किया गया। इससे पहले मनपा की ओर से अंत्येष्टि स्थल पर रतन टाटा को अंतिम विदाई देने की तैयारी की गई। श्मशान घाट के सामुदायिक भवन में प्रार्थना सभा आयोजित की गई। चूंकि मुंबई में बारिश की संभावना थी, इसलिए मनपा की ओर से वाटरप्रूफ मंडप भी बनाया गया। रतन टाटा को अंतिम विदाई देने के लिए भीड़ और वीआईपी को ध्यान में रखते हुए मुंबई पुलिस ने भी अच्छे इंतजाम किए थे।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत 105वें स्थान पर

नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश की हालत हमसे बेहतर

नई दिल्ली(ईएमएस)। ग्लोबल हंगर इंडेक्स की 2024 की लिस्ट में इस साल भारत 127 देशों में 105वें नंबर पर है। पिछले साल 125 देशों में 111वें स्थान पर था, और 2022 में 121 देशों में से 107वें स्थान पर था। यानी इस साल हालत मामूली ठीक हैं। लेकिन अभी भी हंगर इंडेक्स का स्कोर 27.3 है जो गंभीर बना हुआ है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान की हालत हमसे भी खराब है। लेकिन नेपाल, बांग्लादेश, कंबोडिया, फिजी, श्रीलंका जैसे देश भूख से अपने लोगों को बचाने में हमसे बेहतर हैं।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स बताता है कि किसी भी देश में भुखमरी की स्थिति क्या है। इस लिस्ट को हर साल कंसर्न वर्ल्डवाइड और वर्ल्ड हंगर हेल्प नामक यूरोपीयन एनजीओ तैयार करते हैं। दुनियाभर के अलग-अलग देशों में 4 पैमानों का आंकलन करने के बाद इंडेक्स को तैयार किया जाता है।

राजस्थान में जनवरी-2025 में होगा रीट का आयोजन.....इस बार हुआ बड़ा बदलाव

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान में जनवरी-2025 के दूसरे सप्ताह में राजस्थान एलिजिबिलिटी एग्जाम फॉर टीचर्स (रीट) होगा। इस बार भी राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड रीट की परीक्षा का आयोजन करेगा। जो अभ्यर्थी रीट पास कर पाएंगे। उन्हें ही शिक्षक भर्ती परीक्षा में शामिल होने का मौका दिया जाएगा।

शिक्षा संकुल में शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने बताया कि रीट को पास करने वाले अभ्यर्थी ग्रेड थर्ड टीचर्स भर्तीलेवल-1 और लेवल-2 में अप्लाई कर सकते है। इस बार परीक्षा के पैटर्न में राजस्थान लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन बोर्ड की तर्ज पर बदलाव किए गए हैं।

कुणाल ने बताया कि इस बार अभ्यर्थियों को चार की जगह ओएमआर शीट में पांच ऑप्शन दिए जाएंगे। किसी सवाल के जवाब के लिए चार की जगह पांच विकल्प दिए जाएंगे। इसके बाद में अगर कोई अभ्यर्थी चारों विकल्प नहीं भरता है, तब उस अभ्यर्थी को पांचवां विकल्प भरना होगा। ऐसा न करने पर निगेटिव मार्किंग होगी और नंबर कट जाएंगे। इसके साथ ही अगर किसी अभ्यर्थी ने 10 फीसदी से अधिक सवालों के जवाब में पांचों विकल्प में से एक भी नहीं चुना तब उस अयोग्य घोषित किया जाएगा।

अगर किसी अभ्यर्थी ने 10 सवालों तक आंसर शीट में कोई ऑप्शन नहीं भरा, तब नेगेटिव मार्किंग होगी। अगर 10 से ज्यादा सवालों में पांचवां ऑप्शन नहीं भरा, तब अभ्यर्थी को अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। रीट के बाद होगी शिक्षक भर्ती परीक्षा शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राजस्थान की भजनलाल सरकार अपने वादों के अनुरूप काम कर रही है। हमारी सरकार युवाओं को रोजगार का वादा कर सत्ता में आई थी। हर साल एक लाख पदों पर भर्ती करना है। रीट के बाद शिक्षक भर्ती परीक्षा का आयोजन कर प्रदेश में खाली चल रहे शिक्षकों के पदों को भरा जाएगा।

बिहार में सरकारी टीचरों के लिए ड्रेस कोड लागू

पटना (ईएमएस)। बिहार के शिक्षा विभाग ने राज्य के सरकारी स्कूलों में शिक्षक और शिक्षकों के लिए एक नया ड्रेस कोड लागू किया है, जिसके तहत जींस और टी-शर्ट पहनने पर रोक है। इस निर्णय का उद्देश्य स्कूलों में अनुशासन और औपचारिकता बनाए रखना है।

शिक्षा विभाग के निदेशक (प्रशासन) सह अपर सचिव सुबोध कुमार चौधरी ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश जारी किए। नए निर्देशों के अनुसार, सरकारी स्कूलों में शिक्षक अब से फॉर्मल ड्रेस में ही आएंगे। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की गतिविधियां विद्यालयों के शैक्षणिक माहौल पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं और इस स्वीकार नहीं किया जा सकता।

इसके अलावा, सोशल मीडिया पर निम्न स्तर की गतिविधियां भी संचालित हो रही हैं। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल शिक्षा कैलेंडर के अनुसार विशेष दिनों में नृत्य, संगीत आदि का अनुशासित और शालीन कार्यक्रम मान्य है।

इसके साथ ही, जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि सभी शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी शिक्षण-कार्यालय अवधि के दौरान गरिमायुक्त औपचारिक परिधान में ही स्कूल आएं। इस निर्णय को कई शिक्षकों और कर्मचारियों द्वारा मिश्रित प्रतिक्रियाओं के साथ देखा जा रहा है। कुछ लोग सकारात्मक बदलाव मान रहे हैं, जबकि अन्य व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन मानते हैं।

अब आ रहा है वेनस एयरोस्पेस! दिल्ली से पटना का सफर 10 मिनट में होगा तय

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अब आप कल्पना साकार रुप लेने वाली है। आज साइंस की दुनिया इतनी तरक्की कर चुकी है कि आप चाय पीते-पीते देश के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंच सकते हैं। जी हां, अब दिल्ली से पटना की दूसरी 10 मिनट में तय होगी। दिल्ली से चेन्नई या मुंबई मात्र 25 से 30 मिनट में जा सकेंगे।

दरअसल, हम बात कर हैं दुनिया में नई परिवहर क्रांति लाने वाले हाइपरसोनिक जेट की। इसकी स्पीड 5700 किमी प्रति घंटे है। यानी आप इस हाइपरसोनिक जेट से दिल्ली से लंदन एक घंटे में पहुंच जाएंगे। दिल्ली से न्यूयॉर्क दो घंटे में। वैसे तो यह एक पुरानी वैज्ञानिक उपलब्धि है लेकिन अब इसका परीक्षण किया जा रहा है। इसकी पहली उड़ान लंदन से न्यूयॉर्क में होने वाली है।

इस जेट को वेनस एयरोस्पेस नामक कंपनी ने बनाया है। यह जेट मैक 6 की स्पीड तक पहुंच सकता है। इस जेट की स्पीड ध्वनि की स्पीड से पांच गुना ज्यादा है। इससे पहले कोनकोर्ड सबसे तेज चलने वाली जेट थी। उसने लंदन से न्यूयॉर्क की दूरी मात्र तीन घंटे में पूरी की थी। कोनकोर्ड कभी दुनिया की सबसे तेज चलने वाला यात्री एयरप्लेन था। उसकी स्पीड 2500 किमी प्रति घंटे थी।

वेनस एयरोस्पेस ने बीते साल वेनस डीटोनेशन रामजेट इंजन का टेस्ट किया था। इस इंजन का मकसद कमर्शिलय और डिफेंस दोनों सेक्टर में हाइपरसोनिक ट्रेवल का एक्सपीरिएंस करवाना है। इस जेट के आने के दुनिया में एयर ट्रेवल की दुनिया पूरी तरह बदल जाएगी।

आने वाले दिनों में बदलेगा मौसम, तापमान में आएगी गिरावट

नई दिञ्ी,(ईएमएस)। दिञ्ी-एनसीआर में तेज धूप से लोग वैाफी परेशान है। आगामी 10 से 15 दिनों में मौसम में बदलाव आने वैी संभावना है। मौसम विभाग वै मुताबिवै गुएॅवार वैी आसमान साफै रहेगा। अधिवैतम तापमान 35 और नूनतम तापमान 23 डिगञी रहने वैी उम्मीद हैावहीं 11 से 15 अवश्टूबर वैी अधिवैतम तापमान 35 से 36 डिगञी और नूनतम तापमान महज 21 से 23 डिगञी तवै रह सवैता है। 14 अवश्टूबर वैी आसमान में बादल ााए रहने वैा अनुमान है। अब धीरे-धीरे दोपहर वै तापमान में भी गिरावट आएगी। तापमान इस हफॅते वै बाद 32 से 33 डिगञी तवै पहुंाि सवैता है।

उत्तरप्रदेश में गुएॅवार वैी हल्वैी बारिश हो सवैती है। आंशिवै अप से बादल ााए रहेंगे और एवै ाा दो बार बारिश ाा गरज वै साथ बौाारें पमड सवैती हैं। हरिाणा, पंजाब, गुजरात, महाराओ्र में भी हल्वैी बारिश हो सवैती है। दक्षिण भारत वै वैुा राजों में भी आज और वैल बारिश वै आसार हैं। अएॅणांालि पन्नदेश, असम में मौसम सामान रहेगा। वहीं मेघाला, तमिलनाडु, वैरल, और पुडुाीरी में हल्वैी बारिश होने वैी संभावना है। मौसम विभाग ने शुक्रवार वैी वैुा राजों में बारिश वैी संभावना जताई है।

साउथ कोरिया की हान कांग को मिला साहित्य का नोबेल

स्टॉकहोम(ईएमएस)। साहित्य के नोबेल प्राइज 2024 की घोषणा हो गई है। इस साल ये प्राइज साउथ कोरिया की हान कांग को मिला है। उन्हें जीवन की मार्मिक कहानियों को खूबसूरत अंदाज में पेश करने के लिए सम्मान मिला है। नोबेल कमेटी ने हान कांग की एक नोवेल ग्रीक लेसन की खासतौर पर चर्चा की है।

ये एक लडक़ी की कहानी है जो अपने जीवन के कष्टों की वजह से आवाज खो चुकी होती है। उसकी मुलाकात एक ग्रीक पढ़ाने वाले टीचर से होती है जो अपनी आंखों की रोशनी खो रहा है। ये नोवेल दो इंसानों के बीच बातचीत की बाधाएं होने के बावजूद पनपे रिश्ते को खूबसूरती से बयां करती है। हान कांग ने 1993 में अपने करियर की शुरुआत कविताएं लिखने के साथ की थी। 1995 में उन्होंने कहानियां लिखना शुरू कर दिया था।

उमर अब्दुल्ला दूसरी बार बनेंगे जम्मू-कश्मीर के सीएम

श्रीनगर(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में नई सरकार के गठन के लिए गुरुवार को विधायक दल की बैठक हुई। बैठक में नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को विधायक दल का नेता चुना गया। उमर जम्मू-कश्मीर के नए मुख्यमंत्री होंगे। इंडिया गठबंधन का 3 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात करेगा और सरकार गठन का दावा पेश करेगा। शपथ ग्रहण समारोह 13 या 14 अक्टूबर को होने की उम्मीद है।

राज्य सरकार में कोई डिप्टी सीएम नहीं होगा। नेशनल कांफ्रेंस के साथ मिलकर चुनाव लड़ी कांग्रेस को डिप्टी स्पीकर का पद मिल सकता है। कांग्रेस की ओर से डूरू सीट से विधायक जीए मीर या प्रदेश अध्यक्ष और सेंट्रल शाल्टेंग के विधायक तारिक हामिद कर्रा में किसी एक को कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिल सकता है। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के बाद हुए विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने 49 सीटों पर जीत दर्ज की। गठबंधन में शामिल नेशनल कॉन्फ्रेंस को सबसे ज्यादा 42, कांग्रेस को 6 और सीपीआई(एम) को एक सीट मिली। बहुमत का आंकड़ा 46 है। इस बीच गुरुवार को जम्मू रीजन से चुनाव जीते 4 निर्दलीय विधायकों ने भी नेशनल कांफ्रेंस जॉइन कर ली है।

जन हितैषी

टाटा समूह की विरासत के गौरव रतन टाटा का निधन

भारत के रत्न कहे जाने वाले सुप्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। टाटा समूह की विरासत के वह एक ऐसे उत्तराधिकारी थे, जिन्होंने अपने पूर्वजों की तरह अपने औद्योगिक साम्राज्य को देश और विदेश तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका का निर्वाह किया। टाटा समूह के संस्थापक जेआरडी टाटा के वह चौथे वंशज थे। रतन टाटा ने अपने जीवन-काल में टाटा समूह की दौलत को बड़ी तेजी के साथ बढ़ाया। उन्होंने नैतिक मूल्यों और सादगी के साथ सामाजिक दायित्वों को पूरा किया। उन्होंने टाटा समूह के कारोबार को नैतिकता के साथ बढ़ाया। सामाजिक दायित्व में भारत के हर नागरिक के बीच में अपनी और टाटा समूह की विशिष्ट छाप छोड़ी। उन्होंने भारत के गौरव, भरोसे और कारोबार की पताका दुनिया के कई देशों में फहराई है। सारी दुनिया को रतन टाटा ने जो संदेश दिया, टाटा समूह की गूंज अब दुनिया के सभी देशों में सदियों तक सुनाई देगी। 1868 में अंग्रेजों के शासनकाल में टाटा समूह की स्थापना हुई थी। टाटा समूह को भारत में औद्योगिक क्रांति के रूप में पहचाना जाता है। टाटा समूह की चार पीढ़ियों के इस लंबे सफर में, नैतिकता के साथ उद्योग और व्यापार को आगे बढ़ाते हुए, पूंजीवाद और समाजवाद का तालमेल और भारतीय संस्कृति का बेहतर उदाहरण, टाटा समूह की हर पीढ़ी ने देश के सामने रखा है। रतन टाटा ने शादी नहीं की थी। उन्होंने विदेशों में पढ़ाई की। लेकिन उन्हें यूरोप की हवा नहीं लगी। वह तन और मन से हमेशा भारतीय बने रहे। 1868 से लेकर अभी तक टाटा समूह ने हमेशा नवाचार करके उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में विशिष्टता के साथ काम करते हुए स्टील, ऑटोमोबाइल, डेटा इनोवेशन, नमक, केमिकल, चिकित्सा और शोध के क्षेत्र में उत्कृष्टता के साथ काम किया है। टाटा समूह ने नैतिकता और संस्कारों के साथ कभी कोई समझौता नहीं किया। टाटा समूह व्यापार को नैतिकता के साथ करने के लिए जाना जाता है। कर्मचारियों और सामाजिक दायित्व को लेकर टाटा समूह हमेशा सजग रहा। सही मायने में टाटा समूह भारत में औद्योगिक क्रांति लाने के लिए जाना जाता है। 1907 में टाटा समूह ने स्टील प्लांट की स्थापना करके भारत में औद्योगिक क्रांति का शंखनाद किया था। टाटा समूह ने पिछले वर्षों में आईटी के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। विभिन्न व्यवसाय में हमेशा आगे बढ़कर हर चुनौती को स्वीकार किया है। टाटा मोटर्स, टाटा कंसल्टेंसी, टाटा स्टील समूह के अंतर्गत सैकड़ों कंपनियों ने उल्लेखनीय सफलताएं प्राप्त की हैं। शोध और सामाजिक कार्यों में टाटा समूह ने खुले हाथों पैसे खर्च करने में कभी कोई कोताही नहीं बरती। कैंसर जैसी असाध्य बीमारी से निपटने के लिए हजारों करोड़ रुपये शोध में टाटा समूह ने तब खर्च किए, जब कोई इस मामले में सोचता नहीं था। परिवारी परिवार में जन्मे रतन टाटा ने अपनी पारिवारिक विरासत को पूरी संवेदनशीलता, जिम्मेदारी, नैतिकता, सामाजिक दायित्व के साथ पूरा करते हुए एक नई आधारशिला रखी है। रतन टाटा ने कभी, कोई ऐसा काम नहीं किया। जिससे टाटा समूह के ऊपर कोई उंगली उठा सके। रतन टाटा ने अपने पूर्वजों के बनाए गए नियमों, सामाजिक समरसता, धन का उपयोग व्यापार और उद्योग बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक दायित्व के प्रति टाटा समूह हर समय प्रतिबद्ध रहा है। टाटा परिवार के सदस्य अपने ऊपर बहुत कम खर्च करते थे। टाटा समूह जो भी कमाई करता था, उसे उद्योग विस्तार में लगाकर, लाखों लोगों को रोजगार देकर, मान-सम्मान के साथ सुख सुविधाएं पहुंचाने के लिए देश और विदेश में जिस तरह से काम किया है। सामाजिक उत्तरदायित्व को जिस तरह से टाटा समूह की हर पीढ़ी ने निभाया है, उसकी प्रशंसा दुनिया के देशों में होती है। टाटा समूह, नैतिकता और ईमानदारी का प्रतीक है। रतन टाटा ने अपने जीवनकाल में टाटा समूह की इसी विरासत को आगे बढ़ाने का काम किया है। सादा जीवन उच्च विचार की भारतीय संस्कृति का निर्वाह उन्होंने सारे जीवन किया। रतन टाटा दुनिया छोड़कर चले गए हैं, लेकिन रतन टाटा ने अपने 86 वर्ष के जीवन में जिस तरह से पारिवारिक विरासत की प्रतिबद्धता और संस्कारों का संवर्धन किया है, वह आने वाली पीढ़ी और दुनिया के लिए एक उत्तम संदेश है। लोग थोड़ी सी सफलता में अहंकारी हो जाते हैं। धन संपदा और ऐश्वर्य का जिस तरह से प्रदर्शन करते हैं, रतन टाटा हमेशा उससे दूर रहे। सहजता, सरलता और ईश्वर के प्रति आस्था का ऐसा अनोखा संगम कम ही देखने को मिलता है। रतन टाटा के निधन पर देश भर में शोक व्याप्त है। लोग मन से उनके निधन पर श्रद्धांजलि व्यक्त कर रहे हैं। लोगों को लगता है, उन्होंने अपने ही परिवार के किसी सदस्य को खो दिया है। यही कमाई रतन टाटा और टाटा समूह की है। यह कमाई इस लोक में भी है, और परलोक में भी हमेशा बनी रहेगी।

चला गया खास होते हुए भी आम दिखने वाला रतन टाटा!

रतन टाटा सिर्फ एक अरबपति नहीं बल्कि एक ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने टाटा समूह के साथ इस देश और इस देश के करोड़ों लोगों के लिए बहुत कुछ किया है।श्री रतन टाटा के निधन से हर कोई दुखी है। उन्हें संयमित जीवनशैली और टाटा ट्रस्ट के माध्यम से परोपकारी कार्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के लिए भी जाना जाता रहा है।इनके निधन के बाद यह सवाल उठ रहा है कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा? करीब 3800 करोड़ रुपये की नेटवर्थ के मालिक रतन टाटा जीवन भर अविवाहित रहे हैं। टाटा परिवार में एन चंद्रशेखर टाटा संस के 2017 से चेयरमैन हैं।इनके अलावा टाटा ग्रुप की अलग-अलग कंपनियों से ऐसे बहुत से लोग हैं, जो भविष्य में टाटा समूह में अलग-अलग जिम्मेदारी निभाते नजर आ सकते हैं। रतन टाटा के पिता नवल टाटा की दूसरी शादी सिमोन से हुई थीं। उनके बेटे नोएल टाटा, रतन टाटा के सौतेले भाई हैं।रतन टाटा की विरासत हासिल करने के लिए उनका यह संबंध उन्हें एक प्रमुख उत्तराधिकारी उदावेदार बनाता है। नोएल टाटा के तीन बच्चे हैं, जिनमें माया, नेविल और लीह हैं। यह रतन टाटा के उत्तराधिकारी हो सकते हैं। टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन नवल टाटा का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। वे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल की इंटेसिव केयर यूनिट में भर्ती थे और उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे।रतन टाटा ईमानदारी, नैतिक नेतृत्व और परोपकार के प्रतीक थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शब्दों में,भारत ने एक ऐसे आइकॉन को खो दिया है, जिन्होंने कॉरपोरेट ग्रोथ, राष्ट्र निर्माण और नैतिकता के साथ उत्कृष्टता का मिश्रण किया। पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित रतन टाटा ने टाटा ग्रुप की विरासत को आगे बढ़ाया है।वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि टाटा एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। उनका योगदान बोर्ड रूम से कहीं आगे तक गया।

नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी बोले, रतन टाटा दूरदृष्टि वाले व्यक्ति थे। उन्होंने बिजनेस और परोपकार दोनों पर कभी न मिटने वाली छाप छोड़ी है। उनके परिवार और टाटा कम्युनिटी के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी का कहना है कि ये भारत के लिए बहुत दुखद दिन है। रतन टाटा का जाना ना सिर्फ टाटा ग्रुप, बल्कि हर भारतीय के लिए बड़ा नुकसान है। व्यक्तिगत तौर पर रतन टाटा का जाना मुझे बहुत दुख से भर गया है, क्योंकि मैंने अपना दोस्त खो दिया है।रतन टाटा, दुनियाभर में फैले टाटा साम्राज्य के सबसे चमकदार रत्न थे। उन्होंने मैनेजमेंट की मॉडर्न तकनीकों को अपनाकर टाटा ग्रुप को दुनिया का भरोसेमंद ब्रांड बनाया। उन्होंने कभी भी टाटा के संस्थापकों के विजन से समझौता नहीं किया। आज जब नैतिकता का स्तर गिर रहा है, उस दौर में भी रतन टाटा व्यक्तिगत स्तर पर मॉरल वैल्यूज को थामे रहे। सही मायनों में रतन टाटा देश के उद्योग का प्रतिनिधित्व करते थे। हम विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर क्षेत्र में उनके भरोसे, उत्कृष्टता और नवीनता के मूल्यों को अपनाते हुए प्रयास कर रहे हैं, यही रतन टाटा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।वे भारतीय उद्योग के आधुनिकीकरण से गहराई से जुड़े थे। और इससे भी अधिक इसके वैश्वीकरण के साथ जुड़े थे। बड़ी संपत्ति होने के बावजूद वे अपनी साधारण जीवनशैली और टाटा ट्रस्ट के जरिये परोपकारी कार्यों के लिए चर्चा में रहे। टाटा संस में अपने नेतृत्व के दौरान, उन्होंने टेटली, कोरस और जगुआर लैंड रोवर जैसी कंपनियों का अधिग्रहण करके टाटा समूह को मुख्य रूप से घरेलू कंपनी से वैश्विक पावरहाउस में बदल दिया. उनके नेतृत्व में, टाटा वास्तव में 100 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के वैश्विक व्यापार साम्राज्य में विकसित हुआ. दिसंबर 2012 में, टाटा अपने पद से रिटायर हो गए और उनकी जगह पर साइरस मिस्त्री ने पदभार संभाला, जिनका 2022 में एक कार दुर्घटना में निधन हो गया था।बुढापे के बावजूद रतन टाटा जीवन पर्यंत बेहद साधारण जीवन जीते रहे।उनकी सादगी स्वयं सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी एक हवाई यात्रा के दौरान महसूस की थी।ऐसे महान व्यक्तित्व को नमन। (लेखक-डॉ श्रीगोपाल नारसन/ ईएमएस) (लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

शब्द पहेली - 8155

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य,नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ,जिव्हा-3
11. पाश,फंदा,-2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं.-2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष,रूम-3
20. भरोसा,विश्वास-4
22. सचेत,होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी,धब्बेवाला-4
2. गीलापन,तर होना-2
3. दुनिया,जगत-3
4. अदा,हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना,गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक,विनाशकारी-3
17. खारा,क्षारीय-4
18. वन,जंगल-3
21. लाश,मुर्दा,मृतक-4

शब्द पहेली -8154 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वर्ण ऋण के प्रति बढ़ता भारतीयों का रुझान

किसी भी देश के आर्थिक विकास को गति देने हेतु पूंजी की आवश्यकता रहती है। तेज आर्थिक विकास के चलते यदि किसी देश में वित्तीय बचत की दर कम हो तो उसकी पूर्ति ऋण में बढ़ौतरी से की जा सकती है। भारत में ऋण : सकल घरेलू अनुपात अन्य विकसित एवं कुछ विकासशील देशों की तुलना में अभी बहुत कम है। परंतु, हाल ही के समय में भारत का सामान्य नागरिक ऋण के महत्व को समझने लगा है एवं भौतिक संपति के निर्माण में अपनी बचत के साथ साथ ऋण का भी अधिक उपयोग करने लगा है। कुछ बैंक सामान्यजन को ऋण प्रदान करने हेतु प्रतिभूति की मांग करते है। भारत में सामान्यजन के पास स्वर्ण के रूप प्रतिभूति उपलब्ध रहती है अतः स्वर्ण ऋण बहुत अधिक चलन में आ रहा है। विशेष रूप से गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा ऋण की प्रतिभूति के विरुद्ध स्वर्ण ऋण आसानी से उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत में तेजी से बढ़ रहे स्वर्ण ऋण के कारणों एवं कारकों का वर्णन इस लेख में किया गया है।

भारत में वित्तीय वर्ष 2022-23 की प्रथम तिमाही में विभिन्न गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा 39,687 करोड़ रुपए के स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए गए थे, स्वीकृत की जाने वाली यह राशि वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में बढ़कर 62,835 करोड़ रुपए हो गई एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में और आगे बढ़कर 79,218 करोड़ रुपए हो गई। गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में स्वर्ण ऋण के मामले में 26 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर हासिल की है जबकि अन्य प्रकार के ऋणों में इसी अवधि के दौरान औसत वृद्धि दर 12 प्रतिशत की रही है। भारतीय नागरिक स्वर्ण ऋण के प्रति बहुत अधिक आकर्षित हो रहे हैं। आज भारत के विभिन्न गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों एवं विभिन्न बैंकों द्वारा भारी मात्रा में स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए जा रहे हैं। अगस्त 2024 माह में बैंकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों ने मिलकर 41 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करते हुए 1.4 लाख करोड़ रुपए के स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए हैं। आज गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों के कुल ऋण में स्वर्ण ऋण का प्रतिशत में हिस्सा सबसे अधिक है, दूसरे स्थान पर स्कूटर एवं चार पहिया वाहनों के लिए प्रदान किए गए ऋणों का ऋण हैं, इसके बाद तीसरे स्थान पर व्यक्तिगत ऋण 14 प्रतिशत के भाग के साथ है एवं इसके बाद जाकर गृह ऋण का नम्बर आता है जो कुल ऋण का 10 प्रतिशत भाग है। बैंकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा प्रदान किए जाने वाले स्वर्ण ऋण पर पूंजी पर्याप्तता सम्बंधी शिथिल नियमों का पालन करना होता है। अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में स्वर्ण ऋण पर जोखिम का भार (रिस्क वेट) तुलनात्मक रूप से कम रहता है। इससे बैंक एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियां भी स्वर्ण ऋण प्रदान करने की ओर आकर्षित होते हैं।

यहां स्वाभाविक रूप से प्रशन्न उभरता है कि पिछले लगभग 3 वर्षों के दौरान भारत के नागरिकों में स्वर्ण ऋण के प्रति इतना रुझान क्यों बढ़ा है? भारतीय रिजर्व बैंक के पास स्वर्ण के भंडार बढ़कर 822 मेट्रिक टन से भी अधिक हो गए हैं परंतु विश्व स्वर्ण काउन्सिल के एक अनुमान के अनुसार, भारतीय नागरिकों के पास स्वर्ण के भंडार बढ़कर 25000 टन से भी अधिक के हो गए हैं, जिनकी बाजार कीमत वर्ष 2020 में 109 लाख करोड़ रुपए की थी। भारत में नागरिकों के पास स्वर्ण भंडार विश्व के कुल स्वर्ण भंडार का 11 प्रतिशत है। भारत में प्रतिवर्ष 750 से 800 टन स्वर्ण का आयात होता है और पिछले 25 वर्षों के दौरान भारत में 17,500 टन स्वर्ण का आयात हुआ है और मार्च 2019 से मार्च 2024 के दौरान भारत में स्वर्ण भंडार 40 प्रतिशत से बढ़ गए हैं। दरअसल, भारत में दीपावली (धन तेरस) के शुभ अवसर पर स्वर्ण की खरीद को शुभ माना जाता है एवं मध्यमवर्गीय परिवार भी धन तेरस के दिन स्वर्ण की खरीद प्रति वर्ष करते हैं। इससे भारत के करोड़ों परिवारों के पास स्वर्ण का स्टॉक उपलब्ध रहता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों द्वारा स्वर्ण ऋण प्रदान करने के सम्बंध में नियमों को बहुत सरल बनाया है एवं अब भारतीय नागरिकों को स्वर्ण के स्टॉक के विरुद्ध ऋण बहुत ही आसान शर्तों पर उपलब्ध होने लगा है। भारत में प्रचिलित परम्पराओं के अनुसार मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा स्वर्ण को बेचना शुभ नहीं माना जाता है जबकि स्वर्ण की खरीद को शुभ माना जाता है। अतः स्वर्ण को बाजार में बेचने के स्थान पर स्वर्ण को बैंक में गिरवी रखकर उसके विरुद्ध बैंक से आसानी से स्वर्ण ऋण प्राप्त करना ज्यादा उचित माना जाता है। और फिर, हाल ही के वर्षों में भारतीय शेयर बाजार बहुत ही तेज गति से आगे बढ़ रहा है और विभिन्न कम्पनियों के शेयरों में किए गए निवेश पर 12 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की आय प्रतिवर्ष होने लगी है। इससे बहुत बड़ी मात्रा में भारतीय नागरिक (खुदरा निवेशक) शेयर बाजार में निवेश करने हेतु आकर्षित हुए हैं। चूंकि स्वर्ण ऋण बहुत ही आसानी से उपलब्ध होने लगे हैं अतः मध्यमवर्गीय परिवार स्वर्ण ऋण लेकर पूंजी बाजार में निवेश अथवा चार पहिया वाहन खरीदने एवं गृहों का निर्माण करने लगे हैं। स्वर्ण ऋण की राशि आसान किश्तों में जमा करानी होती है, अतः स्वर्ण लेने वाले नागरिकों पर कोई बहुत अधिक दबाव भी नहीं पड़ता है। उक्त कारणों के चलते भारत में हाल ही वर्षों में स्वर्ण ऋण प्राप्त करने वाले नागरिकों में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है।

चूंकि बैंकों एवं गैर गैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा प्रदान किया जा रहे स्वर्ण ऋण में वृद्धि दर अतुलनीय रही है अतः भारतीय रिजर्व बैंक ने स्वर्ण ऋण स्वीकृति करने सम्बंधी नियमों के कठोर अनुपालन के लिए गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों को हाल ही में चेताया है ताकि इन बैंकों द्वारा स्वर्ण ऋण स्वीकृत करने में किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जा सके तथा स्वर्ण ऋण के खाते गैर निष्पादनकारी आस्तियों (एनपीए) में परिवर्तित नहीं हों। यदि बैंकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्वर्ण ऋण सम्बंधी नियमों का अनुपालन अक्षरशः किया जाता है तो स्वर्ण ऋण खाते का गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तितत होना सम्भव नहीं है। हां, यदि असली स्वर्ण के स्थान पर नकली स्वर्ण के विरुद्ध ऋण स्वीकृत किया जाता है तो स्वर्ण ऋण खाते की गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित होने की सम्भावना बन जाती है। इसलिए स्वर्ण ऋण प्रदान करते समय बैंकों को ऋण असली है इसकी पक्की जानकारी होना आवश्यक है। इसके लिए स्वर्ण की जांच पुख्ता तरीके से की जानी चाहिए। (लेखक – प्रहलाद सबनानी /ईएमएस) (सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

संघर्षों के बीच सफलता की कहानी लिखती बालिकाएं

(अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस- 11 अक्टूबर, 2024)

दुनियाभर में बालिकाओं को सम्मान एवं समानतापूर्ण जीवन में हिस्सेदारी बढ़ाने, उसके सेहतमंद जीवन से लेकर शिक्षा और करियर के लिए मार्ग बनाने के उद्देश्य से हर साल 11 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इस दिन बालिकाओं को उनके अधिकारों और बालिका सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया जाता है। भारत समेत कई देशों में बालिकाओं को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एक बच्ची के जन्म से लेकर परिवार में उसकी स्थिति, शिक्षा के अधिकार और करियर में महिलाओं के विकास में आने वाला बाधाओं को दूर करने के लिए जागरूकता फैलाना ही इस दिवस का उद्देश्य है। इस दिवस का उद्देश्य है कि दुनियाभर की बालिकाओं की आवाज को सशक्त करना और आने वाली चुनौतियों और उनके अधिकारों के संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करना। वर्ष 2024 के इस दिवस की थीम है भविष्य के लिए बालिकाओं का दृष्टिकोण, जो बालिकाओं की आवाज की शक्ति और भविष्य के लिए दृष्टि से प्रेरित, तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता और सतत आशा, दोनों को व्यक्त करता है।

आज की बालिकाओं की एक सम्पूर्ण पीढ़ी जलवायु, संघर्ष, युद्ध, गरीबी, मानव अधिकारों और लैंगिक असमानता जैसे वैश्विक संकटों से जूझ रही है। बहुत सी लड़कियों को अभी भी उनके अधिकारों से वंचित रखा जाता है, जिससे उनके विकल्पों पर प्रतिबंध लगता है और उनका भविष्य सीमित हो जाता है। फिर भी हाल ही में किए गए विश्लेषण से पता चलता है कि लड़कियाँ न केवल संकट का सामना करने में साहसी हैं, बल्कि भविष्य के लिए आशावान भी हैं। हर दिन, वे एक ऐसी दुनिया की कल्पना को साकार करने के लिए कदम उठा रही हैं जिसमें सभी लड़कियों को सुरक्षा, सम्मान और अधिकार प्राप्त हों। इस खास दिन मनाने का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं यानी नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे भी देश और समाज के विकास में योगदान दे सकें। देश एवं दुनिया में लड़कियों के लिये ज्यादा समर्थन और नये मौके देने के लिये इस उत्सव की विशेष प्रासंगिकता है। बालिका शिशु के साथ भेद-भाव एक बड़ी समस्या है जो कई क्षेत्रों में फैला है जैसे शिक्षा में असमानता, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सीय देख-रेख, सुरक्षा, सम्मान, बाल विवाह आदि। ये बहुत जरूरी है कि विभिन्न प्रकार के सामाजिक भेदभाव और शोषण को समाज से पूरी तरह से हटाया जाये जिसका हर रोज लड़कियाँ अपने जीवन में सामना करती हैं।

एक गैर सरकारी संगठन ने प्लान इंटरनेशनल प्रोजेक्ट के रूप में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरुआत की। इस एनजीओ ने एक अभियान चलाया, जिसका नाम 'क्योंकि मैं एक लड़की हूं' रखा गया। इस अभियान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलाने के लिए कनाडा सरकार ने एक आम सभा में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। 19 दिसंबर 2011 के दिन संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को पारित किया और 11 अक्तूबर 2012 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया और उस समय इसकी थीम ''बाल विवाह को समाप्त करना'' था। आज दुनिया में कन्याओं एवं बालिकाओं के समग्र विकास के साथ उनके जीवन को सुरक्षित करना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि छोटी बालिकाओं पर हो रहे अन्याय, अत्याचारों की एक लंबी सूची रोज बन सकती है। न मालूम कितनी अबोध बालिकाएं, कब तक ऐसे जुल्मों का शिकार होती रहेंगी। कब तक अपनी मजबूरी का फायदा उठाने देती रहेंगी। सख्त कानूनों के बावजूद, देश में हर 15 मिनट पर एक बालिका यौन अपराध का शिकार होती है। निर्भया मामले में जनांदोलन के बाद सख्त कानून बनने के बावजूद देश में बलात्कार एवं बाल-दुष्कर्म मामलों में भारी बढ़ोतरी हुई है।

समाज में व्याप्त अत्यधिक गरीबी ने बालिकाओं के खिलाफ सामाजिक बुराई जैसे दहेज प्रथा को जन्म दिया है जिसने बालिकाओं की स्थिति को बद से बदतर बना दिया है। आमतौर पर माता-पिता सोचते हैं की लड़कियां केवल रुपये खर्च कराती है जिसके कारण वो लड़कियों को बहुत से तरीकों (कन्या भ्रूण हत्या, दहेज के लिये हत्या) जन्म से पहले या बाद में मार देते हैं, कन्याओं या महिलाओं को बचाने के लिये ये मुद्दे समाज से बहुत शीघ्र खत्म करने की आवश्यकता है। हम तालिबान-अफगानिस्तान आदि देशों में बच्चियों एवं महिलाओं पर हो रही क्रूरता, बर्बरता, शोषण की चर्चाओं में मशगूल दिखाई देते हैं लेकिन भारत में आए दिन नाबालिग बच्चियों से लेकर वृद्ध महिलाओं तक से होने वाली छेड़छाड़, बलात्कार, हिंसा की घटनाएं पर क्यों मौन साध लेते हैं? इस देश में जहां नवरात्र में कन्या पूजन किया जाता है, लोग कन्याओं को घर बुलाकर उनके पैर धोते हैं और उन्हें यथासंभव उपहार देकर देवी मां को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं वहीं इसी देश में बेटियों को गर्भ में ही मार दिये जाने एवं नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को नौंचने की त्रासदी भी है। इन दोनों कृत्यों में कोई भी तो समानता नहीं बल्कि गज़ब का विरोधाभास दिखाई देता है।

दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी बालिकाओं की स्थिति, कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

दरअसल छोटी लड़कियों या महिलाओं की स्थिति अनेक मुस्लिम और अफ्रीकी देशों में दयनीय है। जबकि अनेक मुस्लिम देशों में महिलाओं पर अत्याचार करने वालों के लिये सख्त सजा का प्रावधान है, अफगानिस्तान-तालिबान का अपवाद है। वहां के तालिबानी शासकों ने महिलाओं को लेकर जो फरमान जारी किए हैं वो महिला-विरोधी होने के साथ दिल को दहलाने वाले हैं। दुनिया की बड़ी शक्तियों को इन बालिकाओं के स्वतंत्र अस्तित्व को बचाने के लिये आगे आना चाहिए। तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। भारत में भी जब कुछ धर्म के ठेकेदार हिंसात्मक और आक्रामक तरीकों से बालिकाओं को सार्वजनिक जगहों पर नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं तो वे भी तालिबानी ही नजर आते हैं। विरोधाभासी बात यह है कि जो लोग बालिकाओं को संस्कारों की सीख देते हैं, उनमें से बहुत से लोग, धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं।

'यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता'- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्लों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शक्ल बदल-बदल कर काले अध्याय रच रही है। बावजूद इसके सही समर्थन, संसाधन और अवसरों के साथ, दुनिया की 1.1 बिलियन से ज्यादा लड़कियों की क्षमता असीम है और जब लड़कियां नेतृत्व करती हैं, तो इसका प्रभाव तत्काल और व्यापक होता है। परिवार, समुदाय और अर्थव्यवस्थाएं सभी मज़बूत होती हैं, हमारा भविष्य उज्जवल होता है। अब समय आ गया है कि लड़कियों की बात सुनी जाए, ऐसे सिद्ध समाधानों में निवेश किया जाए जो भविष्य की ओर प्रगति को गति देंगे, जिसमें हर लड़की अपनी क्षमता का पूरा उपयोग कर सकेगी। प्रेषकः (लेखक- ललित गर्ग/ ईएमएस)

क्यों मनाएं हम डाक दिवस?

कल (9 अक्टूबर) डाक दिवस था। परंतु क्या हम डाक दिवस मनाने की स्थिति में हैं? यदि सरकार का कोई विभाग सबसे ज्यादा खस्ता हालत में है तो वह डाक विभाग है। डाक विभाग को जो मुख्य काम सौंपा गया है वह है पत्रों का वितरण। एक समय ऐसा था पत्र ही एक-दूसरे से संपर्क का मुख्य माध्यम था। डाक के माध्यम से ही सरकार का सारा कामकाज चलता था। पत्रों से ही आगमन की सूचना दी जाती थी। पत्र से ही बीमारी, मृत्यु, विवाह, तेरहवीं आदि की सूचना दी जाती थी। यहां तक कि दो प्रेमियों के बीच संदेशों के आदान-प्रदान का माध्यम भी पत्र ही होता था। यदि आपको अपना संदेश जल्दी से पहुंचाना होता था तो इसके लिए एक्सप्रेस डेलीवरी की व्यवस्था होती थी। यदि आपका पत्र ऐसा है जिसके पहुंचने का सबूत रखना जरूरी है तो उसे रजिस्ट्री से भेजा जाता है। लाखों विद्यार्थी मनीआर्डर के माध्यम से अपना पढ़ाई का खर्च पाते थे। गांवों में रहने वाले शहरों में काम करने वाले अपने पुत्रों से रकम भी मनीआर्डर से ही प्राप्त करते थे। पत्रों की तीन श्रेणी हुआ करती थीं - गरीबों के लिए पोस्ट कार्ड, मध्यम वर्ग के लिए एक्सप्रेस डिलेवरी और संपन्न वर्गों के लिए व ज्यादा जानकारी देने के लिए लिफाफे।

न केवल डाक बल्कि डाकघर सबसे बड़ा बैंक नेटवर्क भी हुआ करते थे।

गांव-खेड़ों में डाकिये का उत्सुकता से इंतजार रहता था। गांवों में पार्टटाईम डाकिया जाता था और पार्टटाईम पोस्ट मास्टर रहता था। जहां स्कूल होते थे वहां स्कूल के एक शिक्षक को पोस्ट आफिस की जिम्मेदारी दे दी जाती थी।

धीरे-धीरे कोरियर का प्रचलन होने लगा। कोरियर बड़ा व्यापार बन गया। डाक विभाग के अधिकारी पोस्टल नेटवर्क को कमजोर करने लगे। रिटायरमेंट के बाद पोस्टल अधिकारी कोरियर कंपनियों से जुड़ने लगे।

डाक विभाग के कमजोर होने का सबसे अधिक खामियाजा पत्र-पत्रिकाओं को भुगतना पड़ा। पत्र-पत्रिकाओं की आय भी डाक विभाग पर निर्भर रहती है। पत्र-पत्रिकाएं 15-20 दिनों के अंतराल में अपने गंतव्य तक पहुंच पाते हैं। पत्र-पत्रिकाओं को कोरियर से भेजना महंगा पड़ता है अतः आज भी वे पूरी तरह से डाक विभाग पर निर्भर हैं। परंतु इनके गंतव्य स्थान तक पहुंचने में इतनी देरी हो जाती है कि अनेक पत्र-पत्रिकाएं अपना प्रकाशन बंद करने पर मजबूर हो गए हैं।

एक जमाना था जब डाक-तार विभाग के कर्मचारियों की यूनियनें बहुत ताकतवर हुआ करती थीं। शायद रेलवे के बाद इनकी यूनियन ही सबसे शक्तिशाली होती थी। अब वैसी स्थिति नहीं है।

इसलिए आज के डाक दिवस को लगभग डाक मृत्यु दिवस के रूप में मनाने की इच्छा होती है। (लेखक- एल. एस. हरदेनिया/ ईएमएस)

खेल - समाचार

भारतीय टीम ने एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में कांस्य जीता

अस्थाना (ईएमएस)। भारतीय पुरुष टीम को कजाकिस्तान में हुई एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में कांस्य पदक मिला है। भातरीय टीम को सेमीफाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे के हाथों 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं इसके पहले भारतीय महिला टीम को भी कांस्य पदक मिला था।

विश्व रैंकिंग में 42वें नंबर के खिलाड़ी भारत के शरत कमल को विश्व के सातवें नंबर के खिलाड़ी लिन युन जू ने 11-7, 12-10, 11-9 से हराया। इसके बाद भारत के ही मानव ठक्कर को विश्व के 22वें नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपे के काओ चेंग-जुई ने 11-9, 8-11, 11-3, 13-11 से हरा दिया। इसके बाद

तीसरे मैच में भारत के हरमीत देसाई को भी हुआंग यान-चेंग ने 6-11, 9-11, 7-11 से हरा दिया। वहीं भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने कांस्य पदक जीतने पर भी खुशी जतायी है और कहा कि विश्व स्तर पर मिला ये पदक दिखाता है कि टीम आगे बढ़ रही है।

इंग्लैंड के हैरी और रुट की पाकिस्तान के खिलाफ तूफानी बल्लेबाजी, कई रिकार्ड बने

मुल्तान (ईएमएस)। .इंग्लैंड के बल्लेबाजों हैरी ब्रुक और जो रुट ने यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में पाकिस्तान के गेंदबाजों की ऐसी पिटाई की जिसे वे भूल नहीं पायेंगे। इन दोनो के तूफानी खेल से इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पहले पारी में 7 विकेट पर 823 रन बनो दिये। यह टेस्ट इतिहास का चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। इसके अलावा 147 साल में ऐसी पिटाई किसी टीम की नहीं हुई है। इस मैच में एकसाथ कई रिकार्ड भी बने।

इंग्लैंड ने 7 विकेट पर 823 रन बनाकर पारी घोषित की। इंग्लैंड ने ये रन 150 ओवर में बनाए और उसका रन औसत 5.48 रहा। ये टेस्ट इतिहास में पहली बार है जब किसी टीम ने 150 से कम ओवर में 800 से ज्यादा रन बनाए हैं। पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ 7 गेंदबाजों को उतारा पर कोई भी नहीं चला। छह गेंदबाजों ने 100 से अधिक रन लुटा दिये। अबरार अहमद ने सबसे अधिक 174 रन दिये।

ब्रूक ने इस मैच में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। उन्होंने 322 गेंद में 317 रन बनाए। यह पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी बल्लेबाज का सबसे तेज दूसरा तिहरा शतक है। इससे पहले भारत के वीरेंद्र सहवाग ने यहां 309 रन बनाये थे। वहीं रूट ने इस मैच में 262 रन बनाए। यह उनका छठा दोहरा शतक है। इसकी के साथ ही वह छह दोहरे शतक लगाने वाले खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये। इंग्लैंड ने पाकिस्तान पर पहली पारी के आधार पर 267 रन की बढ़त बनाई है। पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में 556 रन बनाए थे.

टेस्ट इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर श्रीलंका के नाम है जो उसने 1997 में भारत के खिलाफ 6 विकेट पर 952 रन बनाकर बनाया था। वहीं सबसे बड़े स्कोर की इस सूची में इंग्लैंड का नाम दूसरे, तीसरे और चौथे नंबर पर है।

रुट ने छठा दोहरा शतक लगाकर सचिन, सहवाग के रिकार्ड की बराबरी की

मुल्तान (ईएमएस)। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट ने पाकिस्तान के खिलाफ दोहरा शतक लगाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। रुट का ये छठा दोहरा शतक था। इसी के साथ ही वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के छह दोहरे शतकों की बराबरी पर आ गये। रूट ने 305 गेंदों में 14 चौके लगाकर अपना दोहरा शतक पूरा किया। रूट के टेस्ट करियर का यह छठा दोहरा शतक है। इसके साथ ही उन्होंने सचिन के अलावा वीरेंद्र सहवाग के छह दोहरे शतक लगाने के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। इन तीनों के अलावा केन विलियम्सन, रिकी पोंटिंग, जावेद मियांदाद, यूनिस खान, मर्वन अतापट्टू ने भी अपने टेस्ट करियर में 6-6 दोहरे शतक लगाए थे। वहीं विराट कोहली ने अपने टेस्ट करियर में 7 दोहरे शतक लगाए हैं। इस तरह रूट ने कोहली से भले ही ज्यादा रन और ज्यादा शतक बनाए हों पर दोहरे शतक के मामले में वह अभी भी पीछे हैं। विराट कोहली ने 115 टेस्ट मैचों में 29 शतक की मदद से 8947 रन बनाए हैं जबकि रूट ने 147 टेस्ट में 35 शतक की बदौलत 12 हजार से अधिक रन बनाये हैं।

नडाल अगले माह डेविस कप फाइनल के बाद संन्यास लेंगे

मैलागा (ईएमएस)। स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल ने खेल से संन्यास की संन्यास की घोषणा कर दी है। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नडान ने कहा है कि वह इस सत्र के बाद खेल को अलविदा कह देंगे। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रहे नडाल का अंतिम मुकाबला अगले माह मैलागा में होने वाला डेविस कप फाइनल रहेगा।

38 साल के नडाल ने एक वीडियो संदेश में कहा कि खेल के कारण अब उनके शरीर पर विपरीत प्रभाव पड़ने लगा है और वह थकान का अनुभव करने लगे हैं। संन्यास की घोषणा करते हुए नडाल ने कहा, जीवन में हर चीज की शुरुआत और अंत होता है। मुझे लगता है कि यह एक ऐसे करियर को समाप्त करने का सही समय है जो मेरी कल्पना से कहीं अधिक लंबा और सफल रहा।

उन्होंने कहा, मैं इससे खुश हूं कि मेरा अंतिम टूर्नामेंट डेविस कप का फाइनल होगा, जिसमें मैं अपने देश की ओर से खेलूंगा। एक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी के रूप में मेरी पहली खुशियों में से एक 2004 में डेविस कप फाइनल था जो मुझे आज भी याद है। नडाल को पेरिस ओलंपिक में रजत पदक मिला था। वह एकल टूर्नामेंट में सर्बिया के नोवाक जोकोविच से हार गये थे। पेरिस ओलंपिक के बाद से ही वह खेल से दूर बने हुए हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल लाहौर से स्थानांतरित होने की रिपोर्ट गलत : पीसीबी

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल किसी भी हाल में स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। पीसीबी ने कहा कि फाइनल तय कार्यक्रम के अनुसार लाहौर में ही होगा। वहीं गत दिवस आई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारतीय टीम के कारण फाइनल यूएई में खेला जाएगा। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि अगर भारत फाइनल के लिए क्वालीफाई करता है, तो दोनों देशों के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव के कारण मुकाबले को दुबई में रखा जा सकता है।

रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि फाइनल के अलावा, सेमीफाइनल को भी स्थानांतरित किया जा सकता है। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने सुरक्षा कारणों से जुलाई 2008 के बाद से ही पाक का दौरा नहीं किया है। दोनो ही देशों के बीच राजनीतिक संबंध भी तनावपूर्ण हैं। ऐसे में सरकार टीम को पाक भेजने का खतरा मौल नहीं ले सकती है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से भारतीय बोर्ड अपने मैच स्थानांतरित करने को कह सकता है।

वहीं पीसीबी का मानना है कि ऐसा नहीं होगा। पाक बोर्ड ने चैंपियंस ट्रॉफी की पूरी मेजबानी अपने यहां करने की पुष्टि करते हुए कहा, दोनो सरकारों के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव के बावजूद, पीसीबी एक सफल और निर्बाध टूर्नामेंट सुनिश्चित करने के अपने रुख पर कायम है। पीसीबी के प्रवक्ता ने कहा, ऐसी रिपोर्ट में कोई सच्चाई नहीं है, जिसमें कहा गया है कि चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल पाक से बाहर आयोजित किया जा सकता है। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी लगन से काम कर रहे हैं कि टूर्नामेंट की सभी तैयारियां सही हों और हमें पूरा भरोसा है कि एक यादगार आयोजन की मेजबानी करने में हम सक्षम रहेंगे। इस समय तक आयोजन स्थल में किसी भी बदलाव के बारे में आईसीसी की ओर से हमारे पास कोई जानकारी नहीं आई है।

महिला टी20 विश्वकप : भारतीय टीम ने श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल के लिए दावेदारी की

शारजाह (ईएमएस)। भारतीय टीम ने टी20 महिला विश्व कप में श्रीलंका को हराकर अपना दूसरा मैच जीता है। इसी के साथ ही भारतीय टीम के सेमीफाइनल में प्रवेश की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। भारतीय टीम ने इस मैच में तीसरे मैच में शानदार खेल दिखाते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 172 रन बनाए।कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तेजी से 52 रन की पारी खेली। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम 19.5 ओवर में 90 रन ही बना पायी। इस प्रकार भारतीय टीम ने ये मैच 82 रनों से जीत लिया। इस जीत के बाद भारतीय टीम अंक तालिका में ग्रुप ए में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। भारती टीम को पहले मैच में न्यूजीलैंड से हार मिली थी पर इसके बाद उसने पाकिस्तान और श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की कर ली है। अब भारत को सेमीफाइनल के लिए एक मैच और जीतना है।

भारतीय टीम एक समय पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 102 रन पर आउट होने के कारण से ग्रुप ए की अंक तालिका में नीचे पहुंच गई थी पर लगातार दो जीत उसमें भी श्रीलंका पर बड़ी जीत के बाद अब भारतीय टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर भी पहुंच गया है। वहीं पाकिस्तान तीसरे जबकि न्यूजीलैंड तीसरे नंबर पर है।

रतन टाटा के निधन पर....;क्या कह रहा दुनिया का मीडिया

लंदन (ईएमएस)। भारत के प्रतिष्ठित उद्योगपति रतन नवल टाटा का निधन हो गया, उनके निधन पर न केवल भारतीय बल्कि अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी शोक की लहर दौड़ गई है। रतन टाटा ने अपने बिजनेस करियर में एक अद्वितीय पहचान बनाई और उन्हें कई पुरस्कार मिले। उनके निधन की खबर भारत के साथ-साथ पाकिस्तान, अमेरिका और ब्रिटेन के प्रमुख अखबारों में प्रमुखता से छपी है।

पाकिस्तानी अखबार ने लिखा है कि रतन टाटा ने कई हाई-प्रोफाइल अधिग्रहणों के जरिए एक मजबूत और विशाल भारतीय समूह को वैश्विक मंच पर स्थापित किया। उनकी मेहनत ने परिवार की विरासत को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया।

ब्रिटिश अखबार ने रतन टाटा की मृत्यु को शीर्षक दिया हैः अरबपति जगुआर, लैंड रोवर और टेटली टाइकून रतन टाटा का 86 वर्ष की आयु में निधन। अखबार ने बताया कि रतन टाटा भारत के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे पहचाने जाने वाले कारोबारियों में से एक थे। टाटा समूह, जो जगुआर और लैंड रोवर का मालिक है, का वार्षिक राजस्व 100 बिलियन डॉलर से अधिक है।

अमेरिकी अखबार ने रिपोर्ट में बताया कि रतन टाटा ने 1991 से 2012 तक कंपनी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी रहते हुए मुनाफे को 50 गुना बढ़ाया। रतन टाटा का जन्म 1937 में एक पारसी परिवार में हुआ था और उन्होंने कॉर्नेल विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। 1962 में भारत लौटकर, उन्होंने अपने परिवार की कंपनी को संभाला, जिसे 1868 में उनके परदादा जमशेदजी टाटा ने स्थापित किया था।

अरब जगत के मीडिया समूह ने रतन टाटा को इंडस्ट्री लीजेंड और नेशनल आइकन कहा है। अखबार ने लिखा है कि रतन टाटा एक लाइसेंस प्राप्त पायलट थे और अपने शांत व्यवहार और संयमित जीवनशैली के लिए प्रसिद्ध थे। बांग्लादेशी अखबार ने उन्हें भारत के सबसे सम्मानित बिजनेस दिग्गजों में से एक बताया, जिन्होंने अपने परिवार के उद्यम को एक वैश्विक समूह में बदलकर भारतीय अर्थव्यवस्था को गहराई से प्रभावित किया।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) से आयी है। इसके अलावा अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ओर से एक बार फिर ब्याज दरों में कमी की उम्मीद से भी बाजार को बल मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज 144.31 अंक करीब 0.18 फीसदी बढ़कर 81,611.41 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 0.07 फीसदी या 16.50 अंक बढ़कर 25 हजार के करीब 24,998.45 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 2.32 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा सनफार्मा, इन्फोसिस, टाटा मोटर्स, टाइटन, एलऐंडटी और टीसीएस के शेयर भी नीचे आये।

वहीं दूसरी ओर कोटक बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 4.16 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। साथ ही एचडीएफ़सी बैंक, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, मारुति, एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। इससे पहले गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी 50 बढ़त के साथ खुले। शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 250 अंकों की बढ़त के साथ 81,717 पर खुला, जबकि निफ्टी50 87अंकों की बढ़त के साथ 25,069 पर कारोबार करता दिखा।

दूसरी ओर एशिया-प्रशांत के अधिकांश बाजारों में आज मजबूती देखी गई, जिसका मुख्य कारण वॉल स्ट्रीट की बढ़त रही। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 शुरुआती कारोबार में 0.5 फीसदी ऊपर रहा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.2 फीसदी बढ़ा। हालांकि छोटे कैप कोस्डेक में 0.2 फीसदी की गिरावट देखी गई। जापान का ?निक्कई 225 इंडेक्स 0.5 फीसदी की बढ़त के साथ खुला, जबकि व्यापक टा?पिक्स 0.4 फीसदी बढ़ा। ट्रेडर्स जापान के सितंबर के प्रोड्यूसर प्राइस डेटा का मूल्यांकन कर रहे हैं, जो साल-दर-साल 2.8 फीसदी बढ़ा, जो 2.3 फीसदी की उम्मीद से अधिक रहा।

अमेरिकी दृष्टिकोण से भारत महत्वपूर्ण भू-राज नीतिक भूमिका निभाता हैः यूएस आई एस पी एफ

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी दृष्टिकोण से भारत महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक भूमिका निभाता है और अमेरिकी कंपनियों को विनिर्माण क्षेत्र में चीन से उत्पन्न खतरे को कम करने का अवसर देता है। अमेरिका-भारत सामरिक एवं साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के एक व?रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि की गाथा बेहद शानदार है। भारत उन बहुत कम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से है जो सात से आठ प्रतिशत की दर से वृद्धि कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी दृष्टिकोण से भारत भू-राजनीतिक स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अ?धिकारी ने एक साक्षात्कार में कहा ?कि भारत एक ऐसी अर्थव्यवस्था है जो बाजार में अवसर प्रदान कर रही है। खासकर अमेरिकी कंपनियों को जो यहां आकर निवेश करती हैं और बाजार में हिस्सेदारी हासिल करती हैं। यह एक ऐसी अर्थव्यवस्था है जो विनिर्माण क्षेत्र में चीन से खुद को जोखिम मुक्त कर रही है। उन्होंने ककि ?कि हम देख रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था सिर्फ बाजार के लिए अवसर नहीं बन रही है, बल्कि यह विनिर्माण के लिए अवसर बन रही है लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हम भारत में वैश्विक क्षमता केंद्रों की वृद्धि देख रहे हैं। उन्होंने कहा ?कि 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी आने की उम्मीद है। भारत करीब 125 अरब अमेरिकी डॉलर की सेवाओं का निर्यात कर रहा है। यह टिप्पणी 14 अक्टूबर को भारत में हो रहे यूएसआईएसपीएफ के वार्षिक शिखर सम्मेलन से पहले की है। फॉर्च्यून 100 के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) सहित कई बड़े अमेरिकी उद्योगपति इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचेंगे। शिखर सम्मेलन में भारत-अमेरिका साझेदारी को आगे बढ़ाने और मजबूत करने के लिए विचारोत्तेजक सत्र तथा चर्चाएं होंगी।

अनिल अग्रवाल की वेदांता पर 92 करोड़ का जुर्माना

- 10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त जुर्माना भी शामिल

मुंबई (ईएमएस)। अनिल अग्रवाल की वेदांता लिमिटेड पर भारी जुर्माना लगायागयाहै, जिसमें 92.04 करोड़ रुपये का टैक्स जुर्माना और 10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त जुर्माना शामिल है। इसके साथ ही, कंपनी को कस्टम डयूटी और उस पर लगने वाले ब्याज का भी भुगतान करना होगा। यह जानकारी कंपनी ने शेयर बाजार को दी। यह जुर्माना तब लगाया गया है जब अनिल अग्रवाल ने हाल ही में सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा था कि भारत की आयरन ओर इंडस्ट्री संकट में है। उनका कहना था कि ऊंचे नीलामी प्रीमियम, सीमित ऑफर और खदानों के धीमे संचालन के कारण यह स्थिति बनी है। सरकार ने उनके आरोपों को भ्रामक और गलत बताया था। जुर्माने की कार्रवाई वेदांता द्वारा आयात से पहले की शर्तों के उल्लंघन के कारण हुई है। ये शर्तें एडवांस ऑथराइजेशन के तहत किए गए आयात पर सीमित समय के लिए लागू थीं। कंपनी ने शेयरबाजारको दी गई जानकारी में बताया ?कि कंपनी को तूतीकोरिन के कस्टम कमिश्नर के दफ्तर से एक आदेश प्राप्त हुआ है, जिसमें 92,03,85,745 रुपये का जुर्माना और 10,00,00,000 रुपये का अतिरिक्तजुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही कस्टम डयूटी और उस पर लगने वाला ब्याजभी मांगा गया है। वेदांता ने कहा है कि वह इस आदेश की समीक्षा कर रही है और उचित समय पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। कंपनी का मानना है कि उसके पास मजबूत कानूनी आधार हैं, खासकर हालिया न्यायिक फैसलों के संदर्भ में। वेदांता का यह कहना है कि इस आदेश का कंपनी की वित्तीय स्थिति, संचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह घटनाक्रम वेदांता के सामने आने वाली नियामक चुनौतियों को और बढ़ा देता है। कंपनी हाल के वर्षों में कई कानूनी और परिचालन संबंधी बाधाओं का सामना कर रही है।

देश में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 96.96 करोड़ पहुंची

- दूरसंचार कंपनियों को हर ग्राहक से 8 फीसदी अधिक कमाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में देश में इंटरनेट ग्राहकों की संख्या तिमाही आधार पर 1.59 फीसदी बढ़कर 96.96 करोड़ पहुंच गई। जनवरी-मार्च तिमाही में देश में 95.44 करोड़ इंटरनेट ग्राहक थे। कुल 96.96 करोड़ ग्राहकों में 4.20 करोड़ लोग वायर के जरिये इंटरनेट का उपयोग करते हैं, जबकि वायरलेस इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 92.75 करोड़ पहुंच गई है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की ओर से इंडिया टेलीकॉम सर्विसेज परफॉर्मेंस इंडिकेटर रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान मोबाइल सेवाओं के लिए हर ग्राहक से दूरसंचार कंपनियों को होने वाली कमाई सालाना आधार पर 8.11 फीसदी बढ़कर 157.45 रुपये पहुंच गई है। मासिक आधार पर इन कंपनियों का प्रति उपयोगकर्ता औसत मासिक राजस्व (एआरपीयू) जनवरी-मार्च तिमाही के 153.54 रुपये की तुलना में 2.55 फीसदी बढ़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-जून तिमाही में दूरसंचार सेवा क्षेत्र का समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बढ़कर 70,555 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इसमें तिमाही आधार पर 0.13 फीसदी और सालाना आधार पर 7.51 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ब्रॉडबैंड के जरिये इंटरनेट चलाने वालों की संख्या अप्रैल-जून तिमाही में 1.81 फीसदी बढ़कर 94.07 करोड़ पहुंच गई। जनवरी-मार्च तिमाही में इनकी संख्या 92.40 करोड़ थी। हालांकि, नैरोबैंड इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 3.03 करोड़ से घटकर 2.88 करोड़ रह गई। देश में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या अप्रैल-जून तिमाही में बढ़कर 120.56 करोड़ हो गई। इसमें जनवरी-मार्च की तुलना में 0.53 फीसदी और सालाना आधार पर 2.70 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। शहरी इलाकों में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या 66.53 करोड़ से बढ़कर 66.71 करोड़ पहुंच गई। ग्रामीण इलाकों में भी यह संख्या 53.85 करोड़ है, जो तिमाही आधार पर अधिक है। देश में वायरलेस ग्राहकों की संख्या 50.4 लाख बढ़कर अप्रैल-जून में 117.05 करोड़ पहुंच गई है। मासिक आधार पर संख्या 0.43 फीसदी और सालाना आधार पर 2.36 फीसदी बढ़ी है। इस दौरान वायरलाइन ग्राहकों की संख्या मासिक आधार पर 3.90 फीसदी और सालाना आधार पर 15.81 फीसदी बढ़कर 3.51 करोड़ पहुंच गई। रिपोर्ट के मुताबिक देश में कुल दूरसंचार घनत्व तिमाही आधार पर 85.69 फीसदी से बढ़कर 85.95 फीसदी पहुंच गया। ग्रामीण इलाकों में यह 59.19 फीसदी से बढ़कर 59.65 फीसदी पहुंच गया, जबकि शहरी दूरसंचार घनत्व 133.72 फीसदी से घटकर 133.46 फीसदी रह गया। वायरलेस दूरसंचार घनत्व 83.27 फीसदी से बढ़कर 83.45 फीसदी पहुंच गया है।

छोटे खाद्य कारोबारियों को नहीं देना होगा पंजीयन शुल्क

नई दिल्ली (ईएमएस)। छोटे खाद्य कारोबारियों (फेरी वालों) को अब पंजीयन शुल्क नहीं देना होगा क्यों?कि सरकार ने फेरी वालों के लिए पंजीयन शुल्क को माफ करने का निर्णय लिया है। हालांकि जिन्होंने पहले आवेदन कर दिए हैं, उन्हें शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा व मानक विनियम, 2011 के तहत प्रत्येक छोटे खाद्य व्यवसाय संचालकों यानी खाद्य कारोबारियों को पंजीयन कराना होता है। इसके लिए इन कारोबारियों को सालाना 100 रुपये शुल्क देना होता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण (एफएसएसएए) ने एक आदेश जारी कर फेरीवालों के लिए लगने वाले इस शुल्क को माफ करने की घोषणा की है। इस आदेश में कहा गया है कि फेरीवाला का अर्थ है एक ऐसा व्यक्ति जो पैकेज्ड या ताजे तैयार किए गए खाद्य पदार्थों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पैदल या चलने वाले ठेलों पर बेचता है। इस आदेश में यह भी कहा कि शुल्क माफी का यह फैसला 28 सितंबर से लागू होगा। एफएसएसएआई ने फेरीवालों का पंजीयन शुल्क माफ करने के साथ ही उन्हें नये पंजीकरण के लिए आवेदन करने पर 5 वर्षों के लिए पंजीयन प्रमाण पत्र प्रदान करने का भी निर्णय लिया है। एफएसएसएआई ने नये पंजीयन के लिए शुल्क माफ करने के साथ ही मौजूदा पंजीयन का नवीनीकरण कराने पर भी फेरीवालों को राहत दी है। अब फेरी वालों को मौजूदा पंजीयन का नवीनीकरण कराने पर भी शुल्क नहीं देना होगा।

ईरान ने पर्शियन गल्फ देशों को धमकाया इजराइल की मदद की देख लेना

तेहरान (ईएमएस)। ईरान ने पर्शियन गल्फ देशों को चेतावनी देकर कहा कि अगर अपने एयरबेस और हवाई सीमा क्षेत्र का इस्तेमाल हमारे खिलाफ होने दिया तब फिर देख लेना। रिपोर्ट में सीनियर ईरानी अधिकारियों के हवाले से कहा गया कि ईरान उन तमाम देशों पर कार्यवाही करेगा जो देश अपने हवाई क्षेत्र का इजरायल को ईरान के खिलाफ इस्तेमाल करने देने वाले है। इस तरह की कार्रवाइयों से तेहरान की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया होगी। यह चेतावनी तब आई है जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा के लिए सऊदी अरब, कतर और अन्य खाड़ी देशों के दौरे पर हैं।

खाड़ी देशों को ईरान का संदेश इजराइल के खिलाफ क्षेत्रीय एकता की आवश्यकता पर जोर देता है और इस बात पर प्रकाश डालता है कि हवाई क्षेत्र के उपयोग सहित इजराइल के साथ किसी भी सहयोग को शत्रुतापूर्ण कार्रवाई के रूप में देखा जाएगा। यह घटनाक्रम पिछले हफ्ते हुए ईरानी मिसाइल हमले के बाद हुआ है, जिससे संभावित इजरायली जवाबी कार्रवाई की चिंता बढ़ गई है। इस बीच इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि ईरान पर उसकी ओर से होने वाला हमला घातक और चौंकाने वाला होगा। गैलेंट ने कहा कि हाल में ईरान द्वारा किये गये मिसाइल हमले का कड़ा जवाब दिया जाएगा।

इजराइल के बंदरगाह शहर पर मिलिशिया ग्रुप ने किया ड्रोन हमला

बगदाद,(ईएमएस)। शिया मिलिशिया ग्रुप इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक (आईआरआई) ने इजराइल के दक्षिणी बंदरगाह शहर ईलाट में महत्वपूर्ण स्थान पर ड्रोन के किए गए हमले की जिम्मेदारी ली है। मिलिशिया ग्रुप ने बुधवार रात एक बयान जारी कर कहा कि यह हमला फिलिस्तीन और लेबनान के मासूम लोगों पर किए गए इजराइली हमलों के जवाब में किया गया। साथ ही कहा कि उन्होंने संकल्प लिया है कि वह दुश्मन के गढ़ों को निशाना बनाते रहेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बयान में टारगेट स्थल के बारे में और विवरण नहीं दिया गया है और किसी के भी हताहत होने की सूचना भी नहीं दी है। इससे पहले इराकी मिलिशिया ग्रुप ने इजराइल के चार महत्वपूर्ण स्थानों पर भी चार ड्रोन हमलों की जिम्मेदारी ली थी। 7 अक्टूबर, 2023 को गाजा पट्टी में इजराइल-हमास संघर्ष के शुरू होने के बाद से इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक गाजा में फिलिस्तीनियों के समर्थन में, इस इलाके में मौजूद इजराइल और अमेरिकी ठिकानों पर बार-बार हमला कर रहा है। इजराइल द्वारा लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ मुहिम तेज किए जाने के बाद मिलिशिया ग्रुप ने इजराइली शहरों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है।

हैदराबाद में खेला जाएगा भारत- बांग्लादेश तीसरा टी20

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और बांग्लादेश के बीच तीसरा टी20 मुकाबला 12 अक्टूबर को हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम सीरीज में 2-0 से आगे है और वह इस मैच में जीत दर्ज कर सीरीज में क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने ग्वालियार और दिल्ली में हुए दोनो मुकाबले जीते हैं। तीसरे मैच के लिए दर्शकों में जबरदस्त आकर्षण है। ऐसे में टिकटों की खासी मांग है पर जिन्हें टिकट नहीं मिले वे निराश नहीं हों। तीसरे टी20 की लाइव स्ट्रीमिंग भी होगी।

इटली ने हमास समर्थक इमाम जुल्फिकार को देश से बाहर किया

रोम,(ईएमएस)। इटली ने 54 साल के कट्टरपंथी इमाम जुल्फिकार खान को देश से निकालने का फैसला सुना दिया है। एक मामले से जुड़े आदेश पर 08 अक्टूबर को हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। इस संबंध में बताया जा रहा है कि जुल्फिकार एक पाकिस्तानी नागरिक है जो 1995 में इटली आए थे। उनकी कट्टरता को देखते हुए उन्हें देश से निकालने के साथ ही उनका निवास परमिट भी रद्द कर दिया गया है। सरकार द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है, कि 2023 की ठंड से जुल्फिकार खान के व्यवहार में वैचारिक कट्टरता और कट्टरपंथ की ओर झुकाव बढ़ा हुआ देखा गया था। उनके बयानों में पश्चिम विरोधी, यहूदी विरोधी, समलैंगिकता विरोधी और महिला विरोधी भावनाएं नजर आईं थीं। हद तो तब हो गई जब उन्होंने उसी देश के खिलाफ जहर उगलना शुरू कर दिया, जिसने उन्हें अपने यहां रहने का मौका दिया। यही नहीं एक बयान में मुस्लिमों को सरकार की ओर से लिए जा रहे टैक्स का विरोध करने को कहा गया। इसके लिए उन्होंने तर्क दिया था कि संसाधन मुस्लिम समुदाय के अंदर ही रहने चाहिए। समलैंगिकता को उन्होंने एक बीमारी बताया और इसके इलाज की बात कही। इसके अलावा इजरायल और हमास युद्ध शुरू होने के बाद उन्होंने नवंबर 2024 से अप्रैल 2024 के बीच कई आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर डाले। इसमें अमेरिकी, जर्मन, फ्रांसीसी, ब्रिटिश और इटालियन लोगों को नापाक जायोनीवादी का समर्थक बताया।

इटली के अधिकारियों ने इसके साथ ही इमाम खान को उन विदेशियों के साथ जोड़ा जो इस्लामी आतंकी समूहों में शामिल थे। उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि वह बोलोग्ना क्षेत्र में राजनीतिक, धार्मिक और अर्धसैनिक संगठनों को घुसपैठ में मदद कर सकता है। इसके अलावा उन पर आरोप है कि मई 2024 में कथित तौर पर एक मस्जिद में हमास की तारीफ और इजरायल की आलोचना वाला बयान उन्होंने दिया था।

ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ की कहा- वे सबसे बेहतर इंसान हैं

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत का जिक्र करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी के आने से पहले भारत में हर साल पीएम बदला जाता था। वहां बहुत ज्यादा अस्थिरता थी। इसके बाद वह आए। वह महान हैं। वह मेरे मित्र हैं। बाहर से वह ऐसे दिखते हैं, जैसे वह आपके पिता हैं। वह सबसे अच्छे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कॉमेडियन एंड्रयू शुल्ट्ज और आकाश सिंह के साथ फ्लैग्रैंट नामक पॉडकास्ट में ये बातें कही। 88 मिनट लंबे साक्षात्कार के लगभग 37 मिनट तक उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने संबंधों का जिक्र किया।

ट्रंप ने आगे कहा कि हाउडी मोदी 2019 में टेक्सास के ह्यूस्टन में भारतीय समुदाय का एक कार्यक्रम था। एनआरजी स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी भीड़ उमड़ी और दोनों देशों के बीच संबंधों को दर्शाया गया। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोग पागल हो रहे थे और हम घूम रहे थे।हम उनके बीच में थे, हर किसी को हाथ हिला रहे थे। अभिनेत्री से राजनेता बनीं कंगना रनौत ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक पॉडकास्ट को अपने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर शेयर किया। इस पॉडकास्ट में ट्रंप ने पीएम मोदी को सबसे अच्छा इंसान बताते हुए उन्हें टोटल किलर करार दिया।सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पॉडकास्ट को शेयर करते हुए कंगना रनौत ने कैप्शन में लिखा, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लैग्रेंट पॉडकास्ट में प्रधानमंत्री मोदी को सबसे अच्छा इंसान बताया, लेकिन साथ ही उन्हें टोटल किलर (ऐसे शख्स जो सफल हैं, आक्रामक हैं और किसी भी स्थिति से निपटने में पारंगत) बताया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामक जवाबी कार्रवाई की धमकी देकर उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया, जब उन्होंने कहा कि हम उनसे निपट लेंगे, भारत ने सैकड़ों वर्षों से उन्हें हराया है। इसकी तुलना मुंबई में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए की बेरुखी से करें।

मिस्त्र के उत्तरी सिनाई में फिर से रेल सेवा शुरू करने की तैयारी

काहिरा (ईएमएस)। मिस्त्र के उत्तरी सिनाई में आधी सदी से भी अधिक समय बाद फिर से रेल सेवा शुरू होगी। यहां 100 किलोमीटर लंबे रेलमार्ग का ट्रायल ऑपरेशन शुरू हो चुका है। मिस्त्र के परिवहन और उद्योग मंत्री कामेल अल-वजीर ने कहा, इस लाइन के शुरू होने से सिनाई सेअन्य प्रांतों तक लोगों और माल की आवाजाही आसान होगी, नए शहरी इलाकों और औद्योगिक क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा मिलेगा, उत्तरी सिनाई में आर्थिक परियोजनाओं को समर्थन मिलेगा।

रिपोर्ट के अनुसार, अल-फरदान-बीर अल-अब्द लाइन सिनाई प्रायद्वीप में रेल संपर्क को आधुनिक बनाने और विस्तार देने के मकसद से एक बड़े प्रोजेक्ट का पहला चरण है। मिस्त्र के परिवहन और उद्योग मंत्रालय ने अल-फरदान को ताबा से जोड़ते हुए लाइन को करीब 500 किलोमीटर तक विस्तारित करने की घोषणा की। मिस्त्र एक व्यापक आर्थिक सुधार कार्यक्रम के हिस्से के रूप में अपने परिवहन बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए काम कर रहा है। 1973 के अरब-इजरायल युद्ध के बाद क्षेत्र में संघर्ष और सैन्य अभियानों के कारण सिनाई में ट्रेन सेवाएं काफी हद तक निलंबित कर दी गई थीं।

बता दें 1973 अरब-इजरायल युद्ध को योम किप्पुर युद्ध, रमजान युद्ध, जैसे नामों से भी जाना जाता है। युद्ध के दौरान ज्यादातर लड़ाई सिनाई प्रायद्वीप और गोलान हाइट्स में हुई जिस पर 1967 में इजरायल ने कब्जा कर लिया था। कुछ लड़ाई मिस्त्र और उत्तरी इजरायल में भी हुई। युद्ध 6 अक्टूबर 1973 को शुरू हुआ, जब अरब गठबंधन ने यहूदी पवित्र दिन योम किप्पुर के दौरान इजरायल पर एक आश्चर्यजनक हमला किया। योम किप्पुर युद्ध को इस लिहाज से अहम माना जाता है कि इसके बाद अरब देश और इजरायल, दोनों ही पक्ष समझौतावादी रुख अपनाते दिखे। 1978 में कैंप डेविड समझौता हुए, जब इजरायल ने सिनाई प्रायद्वीप को मिस्त्र को वापस कर दिया और मिस्त्र-इजरायल शांति संधि हुई, जिसमें पहली बार किसी अरब देश ने इजरायल को मान्यता दी।

बचपन में माता-पिता से हुए अलग, दीदी ने की परवरिश....चार बार शादी होते-होते रह गई

भारत के रत्न रतन टाटा से जुड़े कुछ रोचक किस्से

मुंबई (ईएमएस)। भारत के सबसे पुराने कारोबारी समूह के प्रमुख रतन टाटा का निधन हो गया है। वे टाटा संस के मानद चेयरमैन थे। उन्होंने 86 साल की उम्र में अस्पताल में आखिरी सांस ली। पद्म भूषण और पद्म विभूषण से सम्मानित रतन टाटा की अगुआई में ही टाटा ग्रुप ने देश की सबसे सस्ती कार लांच की, हाल ही में कर्ज में फंसी एयर इंडिया को 18 हजार करोड़ की कैश डील में खरीदा था। बिजनेस में बेहद कामयाब रतन टाटा निजी जिंदगी में बेहद सादगी पसंद थे और मुंबई में अपने छोटे से फ्लैट में रहते थे।

28 दिसंबर 1937 को नवल और सूनू टाटा के घर जन्मे रतन टाटा ग्रुप के फाउंडर जमशेदजी टाटा के परपोते थे। उनका परिवार पारसी धर्म से है। उनके माता पिता बचपन में ही अलग हुए थे और दादी ने उनकी परवरिश की थी। 1991 में उन्हें टाटा ग्रुप का चेयरमैन बनाया गया था। रतन टाटा की चार बार शादी होते-होते रह गई। टाटा बताते हैं कि एक बार शादी हो ही गई होती, जब वे अमेरिका में थे। तभी उनकी दादी ने उन्हें फोन करके बुला लिया। उसी समय भारत-चीन युद्ध छिड़ने की जाने की वजह से वे अमेरिका नहीं जा सके। कुछ समय बाद उस लड़की ने किसी और से शादी कर ली।

1962 में परिवारिक बिजनेस संभाल लिया था। शुरुआत में उन्होंने टाटा स्टील के शॉप फ्लोर पर काम किया। इसके बाद वे मैनेजमेंट पद पर लगातार आगे बढ़े। 1991 में, जे.आर.डी. टाटा ने पद छोड़ दिया और ग्रुप की कमान रतन टाटा को मिली। 2012 में 75 वर्ष के होने पर, टाटा ने एग्जीक्यूटिव फंक्शन छोड़ दिए। उनके 21 वर्षों के दौरान, टाटा ग्रुप का मुनाफा 50 गुना बढ़ गया। इसमें अधिकांश रेवेन्यू जगुआर-लैंडरोवर व्हीकल्स और टेटली जैसे पॉपुलर टाटा उत्पादों की विदेशों में बिक्री से आया।

चेयरमैन का पद छोड़ने के बाद उन्होंने 44 साल के साइरस मिस्त्री को उत्तराधिकारी नियुक्त किया। उनका परिवार ग्रुप में सबसे बड़ा इंडिविजुअल शेयरहोल्डर था। हालांकि, अगले कुछ वर्षों में, मिस्त्री और टाटा के बीच तनाव बढ़ गया। टाटा को बचपन से ही कम बातचीत पसंद थी। वे केवल औपचारिक और जरूरी बात ही करते थे। वे बुक लवर थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि रिटायरमेंट के बाद वे अपने इस शौक को समय दे रहे हैं। वे 60-70 के दशक के गाने सुनना पसंद करते थे। वे कहते थे, मुझे बड़ी संतुष्टि होगी अगर मै शास्त्रीय संगीत बजा पाऊं। मुझे शॉपेन पसंद है। सिम्फनी भी अच्छी लगती है।

कारों के बारे में टाटा ने बताया था कि मुझे कारों से बहुत लगाव है। उन्होंने कहा था मुझे पुरानी और नई दोनों तरह की कारों का शौक है। खासतौर पर उनकी स्टाइलिंग और उनके मैकेनिज्म के प्रति गहरा रुझान है। इसलिए मैं उन्हें खरीदता हूं, ताकि उन्हें पढ़ सकूं।

रतन टाटा, ग्रुप की परोपकारी शाखा, टाटा ट्रस्ट में गहराई से शामिल थे। टाटा ग्रुप की यह आर्म शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और ग्रामीण विकास जैसे सेक्टर्स में काम करती है। अपने पूरे करियर के दौरान, रतन टाटा ने तय किया कि टाटा संस के डिविडेंड का 60-65 प्रतिशत चैरिटेबल कॉज के लिए इस्तेमाल हो।

30 हजार फीट की ऊंचाई पायलट को आया अटैक, पत्नी ने कराई सुरक्षित लैंडिंग

- डेट पर निकले थे दंपति, बिना ट्रेनी महिला ने संभाली ड्राइविंग सीट

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। एक महिला पति के साथ छोटे प्लेन से रोमांटिक डेट पर निकली थी। पति पायलट थे, इसलिए चिंता की बात नहीं थी लेकिन 30 हजार फीट की ऊंचाई पर पति को अचानक हार्ट अटैक आ गया। कोई बचाने वाला नहीं था। फिर क्या था महिला ने बिना सोचे समझे प्लेन का स्टेरिंग संभाल लिया। महिला ने प्लेन चलाने की ट्रेनिंग नहीं ली थी लेकिन वह प्लेन की ड्राइविंग सीट पर बैठ गई और प्लान को सुरक्षित लैंड कराया। अब उस महिला की जमकर तारीफ हो रही है।

यह मामला अमेरिका के बेकर्सफील्ड का है। केर्न काउंटी में एयरपोर्ट अथॉरिटी के डायरेक्टर रॉन बूस्टर भी महिला की हिम्मत देखकर हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि मेरी जानकारी में अब तक ऐसा कोई मामला पूरी दुनिया में नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि यवोन किनेन नाम की इस महिला की शादी कुछ महीने पहले ही पायलट इलियट अल्पर से हुई थी। दोनों अक्सर डेट पर जाया करते थे लेकिन बीते दिनों जब दोनों ने डबल इंजन वाले किंग एयर 90 प्लेन से उड़ान भरी, तो रास्ते में अचानक इलियट को हार्ट अटैक आ गया। प्लेन की ऑडियो रिकॉर्डिंग से पता चला कि किनेन कुछ पल के लिए घबराईं, फिर उन्होंने हालात को संभाल लिया।

खुद ही कंट्रोल रूम को संकेत दिए और एयर ट्रैफिक कंट्रोल की मदद से प्लेन को सुरक्षित लैंड कराया। इनसाइड एडिशन की ओर से जारी ऑडियो रिकॉर्डिंग में किनेन बिल्कुल खामोश हैं और छोटा-छोटा जवाब दे रही हैं। एक कंट्रोलर ने उसे हर एक चीज के बारे में बताया, जिससे दिक्कत न हो। एक रिकॉर्डिंग में महिला कहती है, मुझे लगता है कि इसके पहिये कुछ बाहर निकलते हुए हैं। तभी कंट्रोलर ने जवाब दिया, आप परेशान न हों, यहां ग्राउंड क्रू अलर्ट है। हम उन्हें कुछ नहीं होने देंगे। लैंडिंग के बाद 78 साल के अल्पर को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

पाकिस्तान में दो अल्पसंख्यक कारोबारियों का अपहरण, साथियों को छोडने की मांग

-डकैतों ने मांग नहीं मानने पर हत्या करने की दी धमकी, पुलिस कर रही तलाश

लाहौर,(ईएमएस)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर पाकिस्तान जाने वाले हैं। इसे देखते हुए इस्लामाबाद से लेकर लाहौर तक सेना तैनात कर दी गई है, ताकि सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की खामी न रहे। इसके बावजूद पड़ोसी देश में अल्पसंख्यक के खिलाफ जुल्म ढाने वाली घटनाओं में कमी नहीं आ रही है। वहीं पंजाब प्रांत में डकैतों ने दो कारोबारियों का अपहरण कर लिया। डकैतों ने इन्हें छोड़ने के एवज में ऐसी डिमांड की है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया।

लाहौर से तकरीबन 500 किलोमीटर दूर स्थित रहीम यार खान में डकैतों ने दो अल्पसंख्यक कारोबारियों को अगवा कर लिया। पुलिस ने बताया कि डकैतों ने दोनों करोबारियों की रिहाई के बदले अपने साथियों को छोड़ने की मांग की है। डिमांड पूरी नहीं होने पर दोनों को मारने की धमकी भी दी है। वरिष्ठ पुलिस अफसर ने बताया कि अल्पसंख्यक कारोबारियों की पहचान समीर और धीमा के रुप में हुई है। रहीम यार खान के कच्छ इलाके से इन दोनों कारोबारियों को अगवा किया गया था। पुलिस ने बताया कि दोनों को छुड़ाने के लिए टीम गठित की गई है और डकैतों की तलाश की जा रही है। जल्द ही डकैतों से दोनों कारोबारियों को छुड़ा लिया जाएगा।

अल्पसंख्यक कारोबारियों को अगवा करने की खबर सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने बताया कि डकैतों मास्टरमाइंड काबुल सुखन है। काबुल सुखन पर एक करोड़ रुपए का इनाम रखा गया है।

दोनों कारोबारियों के साथ 5 अन्य लोगों को भी अगवा किया गया है। सभी बंधकों को छुड़ाने के लिए पुलिस टीम गठित की गई है। डकैतों की डिमांड पर पुलिस ने रिएक्शन नहीं दिया है। अब पुलिस ने इन डकैतों के खिलाफ व्यापक अभियान छेड़ दिया है। दूसरी तरफ अपराधियों के बढ़ते हौसले से स्थानीय कारोबारियों में दहशत का माहौल है। पाकिस्तान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष इकबाल हाफिज इस घटना पर गंभीर चिंता जाहिर की है।

ईरान पर इजराइली हमला घातक और चौंकाने वाला होगा!

बाइडन ने की नेतन्याहू से फोन पर बात, सकारात्मक रही बातचीत

तेल अवीव,(ईएमएस)। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन के साथ बुधवार को फोन पर बात की। पिछले 50 दिनों में पहली बार दोनों नेताओं ने बातचीत की। बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच ईरान के मिसाइल हमले का जवाब देने पर चर्चा हुई। इजरायल ने कहा कि उसका जवाबी हमला विनाशकारी होगा। लेकिन बाइडन ने ईरान के परमाणु या तेल उत्पादन स्थलों को टारगेट करने पर विरोध किया है। बाइडन से बात न होने तक नेतन्याहू ने अपने रक्षा मंत्री को अमेरिका जाने से रोका दिया था।

इजराइल के रक्षा मंत्री ने बुधवार को कहा था कि ईरान पर उसकी ओर से किया जाने वाला हमला घातक और चौंकाने वाला होगा। उन्होंने कहा कि हाल में ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमले का कड़ा जवाब दिया जाएगा। इजराइली हमले से ईरान सकते में आ जाएगा। कोई विवरण दिए बिना रक्षा मंत्री ने कहा कि वे समझ नहीं पाएंगे कि क्या हुआ और कैसे हुआ। पिछले सप्ताह ईरान ने इजराइल पर कई मिसाइलें दागीं, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है जिसे लेकर पूरी दुनिया चिंतित है।

बाइडन लंबे समय से नेतन्याहू के गाजा में युद्ध के साथ-साथ लेबनान में इजराइल की लड़ाई के तरीकों को लेकर निराश और नाराज हैं। साथ ही संघर्ष खत्म करने से जुड़ी रणनीति न अपनाने पर अफसोस जताया है लेकिन बुधवार को हुई बातचीत को व्हाइट हाउस ने डायरेक्ट और उत्पादक बताया और पीएमओ ने कहा कि बातचीत सकारात्मक रही। इस दौरान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी इस फोन पर चल रही बातचीत सुन रही थीं।

व्हाइट हाउस ने ईरान के खिलाफ संभावित इजराइली जवाबी हमले पर अमेरिका के रुख के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। हालांकि बातचीत में बाइडन ने कहा था कि वह इजराइल को हर तरह से मदद दे रहे हैं। पीएमओ के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह नेतन्याहू को फोन किया और इजराइल की ओर से हिजबुल्ला के खिलाफ चलाए गए अभियानों के लिए उन्हें बधाई दी थी।

ईरान में थम्सअप का इशारा करने पर भडक सकते हैं लोग

तेहरान (ईएमएस)। क्या आपको मालूम है कि आप ईरान की यात्रा करते हैं और सार्वजनिक रूप से थम्सअप (अंगूठा ऊपर करने) का इशारा करते हैं, तो स्थानीय लोग भड़क सकते हैं या आपको नुकसान पहुंचाने के लिए दौड़ सकते हैं। इस पर आपकी पुलिस में शिकायत भी हो सकती है, और आप जेल भी जा सकते हैं। ईरान में थम्सअप से सामाजिक गलतफहमियां और टकराव उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए, अगर आप ईरान जा रहे हैं, तो वहां के अंगुलियों के इशारों के बारे में पूर्व जानकारी लेना बहुत जरूरी है। ईरान में लोग आमतौर पर हाथ के इशारों का इस्तेमाल नहीं करते हैं। यहां तक कि दो अंगुलियों से वी का निशान बनाना, जो आमतौर पर जीत या शांति का प्रतीक माना जाता है, यहां अश्लील इशारा समझा जाता है। किसी व्यक्ति की ओर अंगुली से इशारा करना भी असभ्य और आक्रामक माना जाता है, जबकि किसी वस्तु की ओर इशारा करना अधिक उचित समझा जाता है। ईरान सहित कई मध्य पूर्वी संस्कृतियों में बाएं हाथ को अशुद्ध माना जाता है।

इसका इस्तेमाल किसी वस्तु को पास करने या अभिवादन के लिए करना अपमानजनक माना जा सकता है। किसी दूसरे की ओर हाथ बढ़ाना तिरस्कारपूर्ण अपमान का प्रतीक होता है। अफगानिस्तान में भी थम्सअप को अश्लीलता का संकेत माना जाता है, और इटली के कुछ हिस्सों में भी इसे अपमानजनक माना जा सकता है। हालांकि, यहां यह उतना गंभीर नहीं है जितना ईरान और अफगानिस्तान में। वियतनाम में अंगुलियों को क्रॉस करना अश्लीलतासेजोड़ाजाताहै,जबकि मलेशिया में तर्जनी से इशारा करना असभ्यता समझा जाता है। इसी प्रकार, फिलीपींस में हथेली को ऊपर करके इशारा करना अत्यधिक आपत्तिजनक माना जाता है।

इसलिए, ईरान और अन्य देशों की यात्रा करते समय सांस्कृतिक संवेदनाओं का ध्यान रखना बहुत महत्वपूर्ण है, ताकि गलतफहमियों और विवादों से बचा जा सके। ईरान में थम्सअप का अर्थ मिडिल फिंगर दिखाने के समान अश्लीलता के रूप में लिया जाता है। यह केवल ईरान तक ही सीमित नहीं है, बल्कि कई अन्य देशों में भी थम्सअप को अपमानजनक इशारा समझा जाता है। इस इशारे की जड़ें प्राचीन फ़ारसी संस्कृति में हैं, जहां इसे तिरस्कार की अश्लील अभिव्यक्ति के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। यह एक गैर-मौखिक तरीका है अपमान व्यक्त करने का, जो वैश्विक स्तर पर पाए जाने वाले अन्य अश्लील इशारों की तरह है।

दशहरा उत्सव के अवसर पर वडोदरा निगम की चेकिंगः खाद्य सामग्री के 126 नमूने लिए

वडोदरा,10 अक्टूबर

वडोदरा कॉर्पोरेशन फूड चेकिंगः अतिरिक्त स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुकेश के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की खाद्य शाखा में कार्यरत खाद्य निरीक्षकों द्वारा नवरात्रि और दशहरा उत्सव के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर खाद्य पदार्थों की गहन जाँच की गई। नगर निगम आयुक्त दिलीप राणा के निर्देशानुसार वैद्य.

जनता को स्वच्छ, सात्विक और सुरक्षित भोजन मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए गुजरात सरकार और वडोदरा नगर पालिका द्वारा खाद्य सुरक्षा पखवाड़ा मनाया जा रहा है, ताकि खाद्य व्यवसाय संचालक खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक हों और खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकें और उस स्थान पर स्वच्छता और सुविधाएं बनाए रखें। उत्सव के दौरान शहर के विभिन्न इलाकों से खाद्य पदार्थों के नमूने लेना, निरीक्षण करना, संदिग्ध सामान जब्त करना आदि कार्यक्रम किये जाते हैं। खाद्य सुरक्षा पखवाड़ा समारोह के दौरान वडोदरा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से दूध और दूध उत्पादों, विभिन्न ब्रांडों के तेल, मसाले, बेकरी आइटम, बेसन, कच्चे माल आदि के 126 नमूने लिए गए। जिनमें से 70 नमूनों का विश्लेषण गुजरात टेस्ट लैब प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया। अहमदाबाद और 56 नमूने विश्लेषण के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला, फतेगंज भेजे गए। 53 फर्मों में 2,28,620.5 रुपये मूल्य के 1510.7 किलोग्राम का निरीक्षण किया गया। काफी मात्रा में संदिग्ध खाद्य पदार्थ जब्त किया गया। शहर के विभिन्न स्कूलों, मंदिरों, गरबा मैदानों आदि में 19 जागरूकता शिविर लगाए गए हैं। शिविर के दौरान लगभग 2 लाख नागरिकों को खाद्य पदार्थों में मिलावट के प्रति जागरूक किया गया। मिठाई-फरसाण, कैटरर्स आदि एसोसिएशनों के पदाधिकारियों के साथ 8 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें खाद्य सुरक्षा के संबंध में खाद्य व्यवसाय संचालकों को ध्यान में रखा जाए।

नवरात्रि एवं आगामी दशहरा उत्सव के अवसर पर खाद्य शाखा द्वारा गरबा मैदान एवं मिष्ठान-फरसाण दुकानों में सघन निरीक्षण किया गया। नवरात्रि के दौरान विभिन्न गरबा मैदानों पर कौन से खाद्य स्टालों को खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत पंजीकृत किया गया है? साफ-सफाई को लेकर भी निरीक्षण किया। साथ ही दशहरा पर्व के अवसर पर मिठाई-फरसाण निर्माताओं एवं दुकानों में निरीक्षण कार्य किया गया। निर्माण फर्मों और दुकानों से घी, बेसन, तेल, कच्चे माल आदि के 30 नमूने लिए गए। नमूनों को जांच के लिए जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला, फतेगंज भेजा गया है।

आडेसर में युवती के साथ दुष्कर्म के मामले में फैक्ट्री मालिक गिरफ्तार

कच्छ (ईएमएस) कच्छ के आडेसर में गरबा खेलकर लौट रही युवती से रेप करने वाले फैक्ट्री मालिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हैं गत7अक्टूबर को यह घटना उस वक्त हुई जब युवती गरबा खेलकर लौट रही थी, तब प्यास लगने पर उसका दोस्त अपनी फैक्ट्री में पानी पिलाने ले गया थर्ा जहां फैक्ट्री मालिक ने युवती के साथदुष्कर्मकियर्ा जानकारी के मुताबिक कच्छ के आडेसर में एक युवती अपने दोस्त के साथ गरबा खेलकर लौट रही थीर्ा युवती को प्यास लगने पर दो लोग उसे पानी पीने के लिए फैक्ट्री में ले गए। जांच में पता चला है कि युवती का दोस्त पेवरब्लॉक बनाने वाली फैक्ट्री में काम करता हैं उसी फैक्ट्री में युवती का दोस्त उसे ले गया थर्ा जहां अचानक फैक्ट्री का मालिकआ गयर्ा जिसके बाद फैक्ट्री मालिक प्रवीण ने अपने दोस्त और युवती के दोस्त को बाहर भेज दियर्ा बाद में फैक्ट्री मालिक ने युवती के साथ दुष्कर्म कियर्ा घटना के बाद पीड़ित युवती ने फैक्ट्री मालिक प्रवीण के खिलाफ दुष्कर्म और जातिसूचक टिप्पणी करने की शिकायत दर्ज करवा दीर्ा शिकायत के आधार पर पुलिस ने फैक्ट्री के मालिक प्रवीण को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की हैं

वडोदरा के सुभानपुरा रोड पर ई-सिगरेट बेचने वाले एक व्यापारी को गिरफ्तार किया गया

वडोदरा,10 अक्टूबर

एसओजीने वडोदरा के सुभानपुरा रोड पर एक दुकान पर छापा मारकर प्रतिबंधित ई-सिगरेट बेच रहे एक व्यापारी को गिरफ्तार किया.

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की एक टीम 9 अक्टूबर को रात में वडोदरा शहर के गोरवा इलाके में सुभानपुरा रोड पर गश्त पर थी. इसी दौरान जब वह सुभानपुरा रोड, गोल्डन सिल्वर 2 अपार्टमेंट के आसपास घूम रहा था, तो उसे सूचना मिली कि सुभानपुरा रोड, गोल्डन सिल्वर अपार्टमेंट के सामने पुजार कॉम्प्लेक्स में सेमी-बेसमेंट दुकान में उसने बाहर से प्रतिबंधित ई-सिगरेट और तरल निकोटीन मंगवाकर रखा है। उन्हें अपनी दुकान में रखा और अवैध ई-सिगरेट के रूप में बेच रहा है। सूचना के अनुसार एसओजी टीम ने उक्त स्थान पर छापा मारा। कुणाल सुनीलभाई ठाकोर (निवासी राधाकपना पार्क, अकोटा गार्डन के पास, अकोटा) दुकान में मौजूद पाए गए। दुकान की जांच के दौरान अलग-अलग ब्रांड की ई-सिगरेट नंबर 3 भी मिली। एसओजी ने 3 हजार ई-सिगरेट जब्त कर व्यापारी को हिरासत में लिया है और आगे की कार्रवाई की है.

वनबंधु कल्याण योजना के जरिये सुनिश्चित किया राज्य के आदिजाति क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास

गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2007 में लागू की थी वनबंधु कल्याण योजना

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात में अंबाजी से लेकर उमरगाम तक के 14 आदिजाति जिलों में लगभग 89 लाख से अधिक आदिजाति बंधु बसते हैं। ये सभी आदिजाति लोग सुखी, स्वस्थ एवं आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनें; ऐसा सपना गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देखा था। 7 अक्टूबर, 2001 को जब नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, तब उन्होंने आदिजाति बांधवों के सर्वांगीण विकास का संकल्प किया। उनके नेतृत्व वाली गुजरात सरकार ने राज्य के सर्वसमावेशी विकास एवं प्रभावशाली क्रियान्वयन के प्रति अपनी नीतियों के जरिये आदिजाति विकास पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया। आदिवासी समुदाय तथा मुख्य धारा के समुदाय के बीच की दूरी खत्म करने के लिए गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2007 में वनबंधु कल्याण योजना लागू की। यह योजना आदिवासी समुदायों के विकास के लिए महत्वपूर्ण टर्निंग पॉइंट सिद्ध हुई।उल्लेखनीय है कि नरेन्द्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेनेके23 वर्ष पूरे हुए हैं, जिसके सम्मान में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वालीगुजरात सरकार 7 अक्टूबर से 15अक्टूबर तक 'विकास सप्ताह' मना रही है। इन23वर्षों में गुजरात के आदिवासीसमुदायकेएकीकृत सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए गुजरात सरकार द्वारा विभिन्न प्रयास किए गए हैं,जिसमेंसबसेमहत्वपूर्ण योगदान वनबंधु कल्याणयोजना ने दिया है, जो नरेन्द्र मोदीकाविचारबीजहै। आदिवासी समुदायों के समन्वित,सर्वग्राही तथा समावेशी विकास केलिए वनबंधु कल्याण योजना द्वारा राज्यसरकार ने आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य,आवास, पेयजल, सिंचाई एवं मूलभूत सुविधाओं की पहुँच जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित किया है।

वर्ष 2007 में वनबंधु कल्याण योजना-1अंतर्गत निम्न 10 मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित किया गया : 1.गुणात्मक तथा टिकाऊ रोजगार 2.गुणवत्तायुक्त शिक्षा 3.आर्थिक विकास 4.स्वास्थ्य 5.आवास 6.सुरक्षित पेयजल 7.सिंचाई 8.यूनिवर्सल इलेक्ट्रिफिकेशन 9.ऑल वेदररोडकनेक्टिविटी 10.शहरी विकास वनबंधु कल्याण योजना के क्रियान्वयन के लिए गुजरात सरकार ने राज्य के बजट का उल्लेखनीय हिस्सा आवंटित किया है। वर्ष 2007-08 से 2020-21यानी वनबंधु कल्याण योजना-1केदौरानगुजरात के आदिवासी समुदाय तथा आदिवासी क्षेत्रों की आजीविका, आर्थिकस्थिति,शिक्षा,ढाँचागत सुविधाओं, स्वास्थ्य तथा सुख-सुविधा के लिए 1.02 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए गए हैं। योजनांतर्गत की गई व्यापक विकासपरक गतिविधियों ने गुजरात की आदिजाति जनसंख्या की आर्थिक-सामाजिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार किया है और इस मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता प्राप्त हुई है।

24 घंटों में गुजरात की 54 तहसीलों में हुई बारिश, अगले तीन दिन रहेगा बरसाती माहौल

वडोदर,10 अक्टूबर

नवरात्रि के त्योहार के बीच मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक राज्य में हल्की से भारी बारिश की भविष्यवाणी की है. जिसमें 13 अक्टूबर तक सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात समेत कुछ जिलों में भारी बारिश का अनुमान है. पूर्वानुमान के बाद गरबा आयोजक और खिलाड़ी चिंतित हैं।

आज गुरुवार को राज्य के कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई है. अमरेली, खंभा, सावरकुंडला, भावनगर, महुवा, कच्छ-भुज, मांडवी, अब्दासा, वलसाड में बारिश हुई है। वलसाड में लगातार दूसरे दिन बारिश दर्ज की गई है, सूरत में भी बारिश का मौसम देखने को मिला. पिछले 24 घंटों में राज्य के 54 तालुकाओं में बारिश हुई है. जिसमें डांग के अहवा में 101 मिमी, सूरत के उमरपाड़ा में 73 मिमी, भरूच नेतरंग में 22 मिमी, नवसारी के खेरगाम में 21 मिमी और नर्मदा के डेडियापाला में 21 मिमी बारिश हुई। बरस गया बादल का पानी।

जहां 16 अक्टूबर तक राज्य में बारिश का अनुमान है, वहीं कल (11 अक्टूबर) गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर सहित दक्षिण गुजरात के सूरत, तापी, डांग, वलसाड, नवसारी जिलों के छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश के कारण येलो अलर्ट की घोषणा की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 12-13 अक्टूबर को भारी बारिश के कारण दक्षिण गुजरात के सूरत, तापी, नवसारी, डांग, वलसाड समेत सौराष्ट्र के पोरबंदर, जूनागढ़, अमेरली, गिर सोमनाथ जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है. वहीं देवभूमि द्वारका में 13 अक्टूबर को येलो अलर्ट है। इसके अलावा जिले में बारिश की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है.

चूंकि राज्य में देर से आया मानसून फिर से सक्रिय हो गया है, सौराष्ट्र, मध्य गुजरात और दक्षिण गुजरात जिलों में 14 अक्टूबर को हल्की से मध्यम बारिश होगी। जिसमें आणंद, पंचमहल, दाहोद जिलों के छिटपुट स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है. जबकि जूनागढ़, बोटाद, अमरेली, भावनगर, गिर सोमनाथ, वडोदरा, छोटा उदेपुर, भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, डांग, नवसारी, वलसाड जिलों के कुछ स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होगी। 15 अक्टूबर को गिर सोमनाथ, अमरेली, सूरत, तापी, डांग, नवसारी, वलसाड के छिटपुट स्थानों पर और 16 अक्टूबर को वलसाड, नवसारी के छिटपुट स्थानों पर गरज के साथ हल्की बारिश।

वडोदरा गैंग रेप की पीड़िताओं के घर अवैध, नोटिस के बाद गिर सकता है बुलडोज़र!

वडोदर,10 अक्टूबर

वडोदरा रेप केसः वडोदरा शहर के भायली इलाके में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के मामले को पुलिस ने गिरफ्तार कर कार्रवाई की है। भाजपा वार्ड नंबर 10 के पार्षद तांदलजा इलाके के एकतानगर कॉलोनी में रहते हैं। इसकी जानकारी मिलने के बाद इलाके में जाकर जांच की गयी तो पता चला कि उनकी बिल्डिंग अवैध है और इसकी सूचना निगम को दी गयी. इसे ध्यान में रखते हुए निगम ने दोनों आरोपियों को नोटिस दिया है.

भायली क्षेत्र में हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद वार्ड क्रमांक 10 के पार्षद नितिन डोंगा को जानकारी मिली कि आरोपी तांदलजा क्षेत्र की एकतानगर कॉलोनी में रहता है तो वे एकतानगर पहुंचे. जिसमें उन्हें पता चला कि विदेशी नराधम के मकान अवैध हैं।

नितिन डोंगा ने निगम अधिकारियों को सूचित किया जिसके आधार पर निगम ने आज साइट सर्वेक्षण किया। टंडालजा एकतानगर में रहने वाले मुन्ना अब्बास बंजारा और मुमताज उर्फ आफताब बंजारा का मकान अवैध पाया गया, जिसके आधार पर दोनों को तत्काल प्रभाव से मकान तोड़ने का नोटिस दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने पद्मविभूषण तथा टाटा समूह के मुखिया रतन टाटा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पद्मविभूषण से सम्मानित तथा टाटा समूह के मुखिया रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी है। भूपेन्द्र पटेल ने अपने शोक संदेश में रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भारत ने सच्चे अर्थ में रत्न खोया है। उनके निधन से देश को कभी न भरी जा सकने वाली क्षति हुई है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि रतन टाटा ने समग्र विश्व में औद्योगिक क्षेत्र में देश को गौरव दिलाया है। आज जब वे हमारे बीच नहीं रहे, तब मैं गहरे दुःख के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। रतन टाटा के निधन पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल श्रद्धांजलि देने के लिए गुरुवार सुबह मुंबई पहुँचे। मुख्यमंत्री ने मुंबई में नरीमन पॉइंट स्थित नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट लेन में अंतिम दर्शन के लिए रखे गए दिवंगत रतन टाटा के पार्थिव देह के अंतिम दर्शन किए और उन्हें भावांजिल दी।

बोरसरा गैंगरेप के आरोपी की पूछताछ के दौरान तबियत बिगड़ी, अस्पताल में मौत

सूरत (ईएमएस) जिले के बोरसरा गांव में नाबालिग लड़की से गैंगरेप के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया थर्ा पुलिस जब आरोपियों से पूछताछ कर रही थी, तब एक आरोपी की अचानक तबियत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया थर्ा जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गईर्ा सूरत जिले के मांगरोल गैंग रेप मामले में पुलिस ने तड़केश्वर गांव से दो आरोपियों मुन्ना पासवान और शिवशंकर चौरसिया को गिरफ्तार किया थर्ा गैंगरेप में कुल तीन आरोपी हैं, जिनमें से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया थर्ा जबकि तीसरा आरोपी राजू अभी भी फरार हैं गिरफ्तार आरोपियों में से एक बिहार और एक मध्य प्रदेश का रहने वाला हैं जानकारी है कि घटना से पहले आरोपियों ने नाबालिग लड़की और उसके दोस्त को सुनसान जगह पर जाते हुए देखा थर्ा जिसके बाद आरोपियों ने दोनों का पीछा कियर्ा सूनसान जगह देख आरोपियों ने नाबालिग लड़की और उसके दोस्त को पकड़ लियर्ा जिसके बाद पीड़िता के साथ दोस्त के साथ मारपीट कर उसे भगा दियर्ा बाद में नाबालिग लड़की के साथ आरोपियों ने सामूहिक दुष्कर्म कियर्ा इस मामले में पुलिस ने तीन में से दो आरोपी मुन्ना पासवान और शिवशंकर चौरसिया को गिरफ्तार किया थर्ा गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही थी तब शिवशंकर चौरसिया को सांस लेने में दिक्कत होने लगीर्ा जिसके बाद उसे पहले उन्हें कामरेज सेंटर ले जाया गया और वहां उसे सिविल अस्पताल रेफर किया गयर्ा जहां उपचार के दौरान आरोपी की मौत हो गईर्ा गैंगरेप की घटना के बाद सूरत पुलिस ने सूनसान इलाकों में गश्त बढ़ा दी हैं इसके अंतर्गत पांडेसरा, उधना, डिंडोली, लिंबायत, डुमस में पुलिस की ओर से लगातार गश्त की जा रही है।

भायली गैंग रेप मामलाः आरोपी 4 दिन और रिमांड पर, मारपीट के आरोपी बीके को वैन में रखा गया

वडोदर,10 अक्टूबर

भयाली गैंग रेप केसः वडोदरा के भयाली गैंग रेप मामले में आरोपियों की रिमांड पूरी होने के बाद आज उन्हें कोर्ट में पेश किया गया. पुलिस ने मामले से जुड़ी अधिक जानकारी हासिल करने और पूछताछ के लिए आरोपी की सात दिन की रिमांड मांगी. जिसमें कोर्ट ने आरोपी की चार दिन की और रिमांड मंजूर कर ली है. उधर, आरोपियों पर स्याही से हमले की सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपियों को वैन से बाहर नहीं निकाला।

जब आरोपियों को पहली बार रिमांड के लिए पेश किया गया तो वे कोर्ट में भीड़ गए। आज पुलिस को सूचना मिली कि वकील आरोपियों के खिलाफ हस्ताक्षर कर विरोध प्रदर्शन करेंगे. जिसके चलते पुलिस ने आरोपी को कोर्ट परिसर में वैन में रखा और सीधे थाने भेज दिया.

भायली गैंग रेप के आरोपियों की रिमांड आज खत्म हो रही है और उन्हें कोर्ट में पेश कर और रिमांड हासिल की गई है. जिसमें आरोपियों को 14 अक्टूबर तक रिमांड पर लिया गया है. पुलिस द्वारा आगे की जांच और सबूत जुटाने के लिए सात दिन की रिमांड मांगी गई थी। उसमें कोर्ट ने आरोपी की 4 दिन की और रिमांड मंजूर कर ली है. रिमांड की वजहों में पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान आरोपी लगातार पुलिस से बच रहे हैं. आगे की रिमांड की मांग की गई क्योंकि वे जांच में पर्याप्त सहयोग नहीं दे रहे थे।

द्वारकाधीश मंदिर क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन ड्रोन उड़ाने का वीडियो वायरल हुआ है

द्वारका,10 अक्टूबर,

जेड प्लस सुरक्षा कवर वाले मंदिर पर ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधितः हिंदी चैनल सीरियल के ड्रोन संचालक पर विज्ञापन के उल्लंघन का मामला दर्ज सौराष्ट्र में जेडपीएस सुरक्षा प्राप्त द्वारकाधीश जगत मंदिर क्षेत्र में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध के बावजूद एक हिंदी चैनल के सीरियल के ड्रोन संचालक का ड्रोन उड़ाने का वीडियो वायरल हो गया। यह घटना लगातार दूसरे दिन हुई. सुरक्षा तंत्र ने अधिसूचना के उल्लंघन का मामूली अपराध ही दर्ज कर संतोष कर लिया है।

मिली जानकारी सीरियल की टीम पांच दिवसीय द्वारका शेडयूल की शूटिंग के लिए द्वारका में है. आज जैसे ही ड्रोन निषिद्ध क्षेत्र में द्वारकाधीश मंदिर के पास गोमटघाट से ड्रोन कैमरे से शूटिंग करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, द्वारका पुलिस स्टेशन के पीआई और टीम ने शूटिंग टीम के अधिकारियों को ड्रोन कैमरा और साहित्य भेंट किया। थाना पुलिस ने जांच की. ड्रोन संचालक बरवाडिया निवासी सुरेश नारणभाई। अधिसूचना के उल्लंघन के लिए जूनागढ़ वाले के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और सामान्य संचालन किया गया। इसके साथ ही यह भी खुलासा हुआ कि ड्रोन उड़ाने के लिए प्रशासनिक तंत्र की ओर से कोई अनुमति नहीं दी गई है.

दशहरे के दौरान कंदोइयों की हालत खराब हो गई, फाफड़ा में एक किलो के दाम 500 रु. 40 की बढ़ोतरी

राजकोट,10 अक्टूबर

बिनौला तेल की एक कैन की कीमत रु. 6 महीने में बेसन में 40 फीसदी और तेल में एक महीने में 30 फीसदी की बढ़ोतरी, मांग घटने के डर से अन्य स्टेपल के दाम रु. 280 से ऊपर तय

केंद्र सरकार ने आयातित तेलों पर सीमा शुल्क बढ़ा दिया है, जिसके कारण साइड ऑयल में भारी वृद्धि हुई है और अब साइड ऑयल और सिंगल ऑयल के बीच 1 रुपये प्रति लीटर की स्थिति आ गई है. जो अब 800 से 1000 रु. 400 से फर्क पड़ा है. ऐसे में तेल के अलावा अरंडी, हींग आदि के दाम बढ़ने से केवल कपास के तेल में फरसाण बनाने वाली कंदोई की हालत खराब हो गई है। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार हाल ही में बिनौला तेल के डिब्बे की कीमत रु. 420 और एक किलो औसत रु. जीवित फेफड़े के ट्यूमर की कीमत बढ़ाकर 30 रु. 400 से रु. 440 किये जा चुके हैं। हालांकि एकल तेल की कीमतों में आंशिक रूप से कमी आई है, लेकिन फ्राइड लंग की कीमतें अपरिवर्तित बनी हुई हैं।

कारोबारी सूत्रों ने बताया कि तेल समेत अन्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण पारंपरिक और ताजा फरसाण बनाने और बेचने वाली कंदोई की हालत खस्ता हो गई है. छह महीने पहले रु. बेसन अब 65 रुपये प्रति किलो हो गया है. 110 रुपये का भुगतान करना होगा. फरसाण बनाने में हींग के रस का उपयोग किया जाता है जिसकी कीमत 10 रुपये है। 240 से रु. 300 यानी प्रति किलो रु. कीमत 3000 तक पहुंच गई है. इसके अलावा मिर्च, मेथी जैसी अन्य सामग्रियों की कीमतों में भी उतार-चढ़ाव होता रहता है। फापड़ा बुनने वाले कारीगरों के दाम भी बढ़ गए हैं। लेकिन, इसके बावजूद पापड़ी, सेव, भावनगरी नगेट्स आदि की कीमत 10 रुपये है। 280 रुपये प्रति किलोग्राम पर बनाए रखा गया है, क्योंकि ऊंची कीमतों के कारण मांग घटने की आशंका है। साथ ही जाला में हाथ से बनाए गए फरसाण का स्वाद तो बेहतर होता है, लेकिन इसमें तेल का इस्तेमाल अधिक होता है. अब ऐसा फरसाण मशीन से बनाया जा रहा है. इसके अलावा, कंदोई फरसाण को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए अरंडी के तेल के बजाय बिनौला तेल का उपयोग करते हैं।

एक और नाबालिग लड़की से दुष्कर्म, विधर्मी ने कई बार बनाया अपनी हवस का शिकार

सूरत (ईएमएस) मंगलवार को सूरत के बोरसरा में नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप की घटना के बाद अब जिले के मांडवी में 14 साल की किशोरी से दुष्कर्म की घटना सामने आई हैं विधर्मी शख्स ने अनेकों बार नाबालिग लड़की को अपनी हवस का शिकार बनायर्ा मामला तब सामने आया जब पीड़िता गर्भवती हो गईर्ा पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश तेज कर दी हैं जानकारी के मुताबिक सूरत जिले की मांडवी तहसील के एक गांव में रहनेवाली 14 वर्षीय किशोरी को विधर्मी ने युवक ने बहला फुसलाकर अपने ऑटो रिक्शा में बिठाया और उसके बाद सूनसाम इलाके में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म कियर्ा जिसके बाद विधर्मी युवक नाबालिग लड़की को डरा-धमका कर निर्जन स्थान पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहर्ा विधर्मी की दुष्कृत्य का तब पर्दाफाश हुआ जब पीड़ित लड़की गर्भवती हो गईर्ा दरअसल पेट दर्द की शिकायत के बाद परिवार ने लड़की को अस्पताल में भर्ती करायर्ा जहां मेडिकल जांच में लड़की के गर्भवती होने का खुलासा हुअर्ा पूछताछ में पीड़िता ने पूरा मामला बयां कर दियर्ा जिसके बाद पीड़िता के परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी विधर्मी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी हैं आरोपी की पहचान अरबाज सिराज पठान के तौर पर हुई हैं

मुख्यमंत्री ने गांधीनगर और अहमदाबाद में विविध नवरात्रि गरबा महोत्सव में उपस्थित रहे

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार रात गांधीनगर और अहमदाबाद के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित नवरात्रि गरबा महोत्सव में उपस्थित रहकर गरबे का आनंद लिया। मुख्यमंत्री गांधीनगर में सहाय फाउंडेशन की ओर से आयोजित केसरिया गरबा महोत्सव, गांधीनगर कल्चरल फोरम के नवरात्रि महोत्सव तथा अहमदाबाद में साइंस सिटी रोड पर सीएआईटी की ओर से आयोजित गरबा महोत्सव, भाड़ज के खेलैया ग्रुप के गरबा महोत्सव तथा मेमनगर स्थित तरुण नगर सोसायटी के गरबा महोत्सव में उपस्थित रहे। उन्होंने गरबा स्थल पर आदि शक्ति की मांडवडी (नवरात्रि में दीप रखने के लिए बनाई गई मंडप जैसी संरचना) के दर्शन भी किए और गरबा प्रेमियों एवं वरिष्ठ नागरिकों का अभिवादन स्वीकार किया। राज्य सभा सांसद मयंक नायक, गांधीनगर शहर एवं जिले के विधायक, गांधीनगर की महापौर श्रीमती मीराबेन, गरबा आयोजक एवं संगठन पदाधिकारियों ने भी मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ गरबा देखा। इस अवसर पर गरबा आयोजकों ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का शॉल एवं पटका ओढ़ाकर सम्मान किया।

लोथल में राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर के विकास को मंजूरी

अहमदाबाद (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर (एनएमएचसी) के विकास के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इस परियोजना का मकसद भारतीय समुद्री धरोहर और इतिहास को प्रदर्शित करना है। अधिकारियों ने कहा कि इस परियोजना पर काम चल रहा है और नियमित रूप से सरकार की ओर से उच्च स्तरीय निगरानी होती है। परियोजना के फेज 1ए पर काम चल रहा है और 60 प्रतिशत काम हो चुका है और इसे 2025 तक पूरा किए जाने की योजना है। मंत्रिमंडल के एक बयान में कहा गया है ?कि परियोजना के फेज 1ए और 1बी को ईपीसी मॉडल पर विकसित किया जा रहा है और फेज-2 को जमीन पट्टे पर देकर/पीपीपी के माध्यम से विकसित किया जाएगा, जिससे एनएचएमसी को वैश्विक स्तर का धरोहर संग्रहालय बनाया जा सके। एक आधिकारिक बयान के अनुसार एनएमएचसी परियोजना के विकास में लगभग 22,000 नौकरियों के सृजन की उम्मीद है। इसमें 15,000 प्रत्यक्ष रोजगार और 7,000 अप्रत्यक्ष रोजगार होंगे। एनएमएचसी की निर्माण योजना प्रसिद्ध वास्तु फर्म हफीज कॉन्ट्रैक्टर ने तैयार की है। चरण 1ए का निर्माण कार्य टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को सौंपा गया है। लाइटहाउस ऐड लाइटशिप महानिदेशालय, लाइटहाउस म्यूजियम के लिए धन मुहैया कराएगा। इस पर काम भी आगामी चरणों में होगा। मास्टरप्लान में भारतीय नौसेना और तटरक्षक दीर्घा भी शामिल है। दूसरे चरण में तटीय राज्यों के मंडप,आतिथ्य क्षेत्र, लोथल शहर से संबंधित मनोरंजन, समुद्री संस्थान और छात्रावास तथा 4 थीम आधारित पार्क होंगे।

अमूल ने छाछ का 10 रुपए वाला पाउच किया बंद

अहमदाबाद (ईएमएस) अमूल ने गुजरातियों का पसंदीदा अमृत छाछ के पैकेट में बड़ा बदलाव किया है। अमूल डेयरी ने छाछ का 10 रुपए वाला पाउच बंद कर दिया है। पहले 310 श्ठ छाछ का पाउच 10 रुपये में मिलता था, अब 410 श्ठ छाछ का पाउच 15 रुपये में मिलेगर्ा दरअसल अमूल समय-समय पर नए प्रोडक्ट लॉन्च करता रहता है। छाछ को गुजरातियों का अमृत कहा जाता है। छाछ के बिना गुजराती भोजन अधूरा है। एक समय अमूल दो तरह का मट्ठा बेचता था, प्रोबायोटिक और प्लेन। अमूल को छाछ तीन अलग-अलग पैकेट में मिलती थी, 10 रुपये पाउच, 15 रुपये पाउच और 20 रुपये पाउच।

भाजपा सदस्यता अभियान ने खोली एक और पोलः उंझा में पूर्व कांग्रेस महासचिव को बनाया सदस्य

अहमदाबाद,10 अक्टूबर

अहमदाबादः बड़े-बड़े दावों के साथ शुरू किए गए बीजेपी के सदस्यता अभियान को खराब प्रतिक्रिया मिली है और बड़े-बड़े दावे खोखले साबित हुए हैं. बीजेपी को उसके सदस्यता अभियान पर खराब रिस्पॉन्स मिल रहा है. साथ ही हाल ही में दोनों मंत्रियों के बीच हुई गुप्त बातचीत का वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें प्रधानमंत्री ने खुद सदस्यता अभियान के आंकड़ों की रिपोर्ट मांगी थी. इन सबके बीच बीजेपी के सदस्यता अभियान की एक पोल सामने आई है जिसमें खुलासा हुआ है कि उंझा के पूर्व कांग्रेस महासचिव नटुजी ठाकोर को गलत तरीके से बीजेपी का सदस्य बना लिया गया है.

ऐसेसमय में जब भारतीय जनता पार्टीकेसदस्यताअभियानमें कार्यकर्ताओंकोशामिलकरने मेंकाफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, यह खुलासा हुआ है कि कांग्रेस के पूर्व महासचिव नातुजी ठाकोर को उंझा में गलत तरीके से भाजपा का सदस्य बनायागयाथा। पूरी घटना का खुलासा तब हुआ जब उसने अपने मोबाइल फोन पर मैसेज देखकर इस बात का खुलासा किया. उन्होंने इस मुद्दे पर उंझा के बीजेपी अध्यक्ष को एक लिखित ज्ञापन भी सौंपा है.

नटुजी ठाकोर ने बीजेपी अध्यक्ष को दिए अपने प्रेजेंटेशन में कहा, 'मंगलवार 1 अक्टूबर 2024 को रात 10:05 बजे मेरे मोबाइल नंबर पर बीजेपी कार्यकर्ता पटेल दशरथभाई का बीजेपी के चल रहे सदस्यता अभियान के संबंध में फोन आया और उन्होंने मुझसे कहा कि मैं चाहता हूं. कांग्रेस का सदस्य बनने के लिए और इसके लिए उन्होंने मदद मांगी। उन्होंने कहा कि मुझे मोबाइल पर एक ओटीपी दीजिए और मैंने दे दिया, बाद में मुझे पता चला कि मुझे बीजेपी का सदस्य बना दिया गया है. मैंने दशरथ भाई को फोन कर इसकी शिकायत की.

गुजरात में सदस्यता अभियान में बीजेपी को खराब रिस्पॉन्स मिल रहा है और इससे पहले कि पार्टी के बड़े-बड़े दावे झूठे साबित हों और पार्टी का पैसा उड़ जाए, प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल ने सदस्यता अभियान में शामिल कार्यकर्ताओं और विधायकों, सांसदों सहित जन प्रतिनिधियों को 15 अक्टूबर तक अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने और सदस्य के रूप में पंजीकरण कराने की चुनौती दी.

वडोदरा स्टेशन पर मैनेजर के चाय-नाश्ते के लिए उतरने के बाद 76,000 वोटों से भरा बैग चोरी हो गया

सूरत,10 अक्टूबर,

पोरबंदर से ट्रेन से वापस सूरत जा रहे एक निजी कंपनी के मैनेजर को नाश्ते के लिए वडोदरा रेलवे स्टेशन पर उतारा गया. इसी बीच किसी ने उनका लैपटॉप समेत सामान ढूंढ लिया और 76 हजार से भरा बैग लेकर भाग गया। इधर-उधर तलाश करने के बाद भी कोई पता नहीं चलने पर मैनेजर ने रेलवे थाने में चोरी की शिकायत दर्ज करायी है.

सूरत में ग्रीन सिटी में रहने वाले नितिन सुरेंद्र श्रीवास्तव ने रेलवे पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि मैं हैवेल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में मैनेजर के पद पर कार्यरत हूं। पिछले 17 सितंबर को मैं कंपनी के काम से सूरत से पोरबंदर गया और 20 सितंबर को काम पूरा होने के बाद पोरबंदर रेलवे स्टेशन से छूटने वाली सौराष्ट्र एक्स ट्रेन के कोच में यात्रा करके सूरत के लिए रवाना हुआ। उस रात मैं अपना काला लैपटॉप बैग सीट पर रख कर सो गया. फिर 21 सितंबर की सुबह ट्रेन वडोदरा रेलवे स्टेशन पर पहुंची और मैं चाय-नाश्ता करने के लिए ट्रेन से उतर गया. उसी दौरान किसी ने मेरा काला लैपटॉप बैग चुरा लिया,

मेनिनजाइटिस जागरूकताः साइलेंट अलार्म से टीकाकरण के माध्यम से आशा की किरण तक

वडोदरा, 8/10/2024:मेनिनजाइटिस एक गंभीर टीका रोकथाम योग्य संक्रमण है जो विशेष रूप से बच्चों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ पैदा करता है। विश्व मेनिनजाइटिस दिवस का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और इस बीमारी को हराने के लिए वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देना, प्रारंभिक पहचान की जीवनरक्षक क्षमता को बढ़ावादेनाऔर टीकाकरण के माध्यम से इसकी रोकथाम करना है।

नवकार चिल्ड्रेन हॉस्पिटल, वडोदरा के बाल रोग विशेषज्ञ, मालिक और मुख्य सलाहकार डॉ. तुषार शाह कहते हैं, ठउच्च जोखिम वाले वातावरण में रहने वाले बच्चे और व्यक्ति, जैसे छात्रावास में रहने वाले छात्र और घनी आबादी वाले क्षेत्रों के लोग, विशेष रूप से मेनिनजाइटिस के प्रति संवेदनशील होते हैं। टीकाकरण एक महत्वपूर्ण परत प्रदान करता है।ठ सुरक्षा के लिए, संक्रमण के प्रसार को रोकने और गंभीर, जीवन-घातक जटिलताओं के जोखिम को कम करनेके लिए, इन व्यक्तियों के लिए, टीकाकरण की न केवल अनुशंसा की जाती है - यह आवश्यक है।ठ

इस घातक बीमारी से निपटने के लिए, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) मेनिंगोकोकल वैक्सीन की सिफारिश 9-23 महीनों के बीच 2-खुराक अनुसूची और 2 साल से ऊपर की एकल खुराक के रूप में करता है, जिन्हें इस बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

इंजीनियरिंग कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या : डीआरएम-बीआरसी 088 से 089 वर्ष 2024-25 भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390 004 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा संख्या : DRM BRC 088 वर्ष 2024-25. कार्य का नाम : एसएसई/सिग्नल/पीआरटीएन कार्यालय और स्टोर विभाग में क्षतिग्रस्त शेड का प्रतिस्थापन, विविध सिविल मरम्मत कार्य, प्रतापनगर, विश्वामित्री कॉलोनी क्वार्टरों, बंगलों और सेवा भवन में अंदर और बाहर की पेंटिंग और फिनिशिंग कार्य, वीडियो निगरानी प्रणाली के प्रावधान के संबंध में सिविल कार्य और डीआरएम कार्यालय में नियंत्रण भवन की दूसरी मंजिल पर एसएंडटी विभाग और इलेक्ट्रिकल विभाग के बीच विभाजन प्रदान करना। कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 1,07,82,159.98 जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा (रुपये में): 2,03,900.00 निविदा संख्या: DRM BRC 089 वर्ष 2024-25। कार्य का नाम: वडोदरा (पी) में जलापूर्ति बढ़ाने के लिए पोम्प हाउस के साथ बोरवेल उपलब्ध कराना, रेलवे कॉलोनी प्रतापगंज में रेलवे वॉलीबॉल क्षेत्र में सुविधाओं में सुधार और प्रतापनगर में प्रताप नगर क्रिकेट ग्राउंड में मौजूदा सुविधाओं का उन्नयन। कार्य की अनुमानित लागत (रु. में): 80,93,422.22 जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा (रु. में): 1,61,900.00 उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए: निविदा जमा करने और निविदा खोलने की तिथि और समय: निविदा 28.10.2024 को 15.00 बजे से पहले जमा की जानी है, और उसी तारीख को 15.30 बजे खोली जानी है। वेबसाइट का विवरण और सुचना का स्थान जहां पूरा विवरण देखा जा सकता है और कार्यालय का पता जहां से निविदा फॉर्म खरीदा जा सकता है: मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी) पश्चिम रेलवे प्रतापनगर। वडोदरा - 4, www.ireps.gov.in 196

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96